विशाल इण्डिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्ष : 13 | अंक : 200 | गौतमबुद्धनगर, मंगलवार 18 जून 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रूपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3

ग्रेटर नोएडा में बच्चों के विवाद में चले लाठी-डंडे

P- 4

डिवाइडर से टकराकर कार पलटी, पति-पत्नी समेत 3 की मौत

P- 5

ट्रंप की वापसी के डर से विकसित देश डब्ल्यूटीओ समझौते पर कर रहे

P- 6

सैमसन , यशस्वी सहित इन चार क्रिकेटरों को सुपर आठ में भी अवसर

हैप्पी मॉर्निंग

जीजा अपनी साली के साथ चैटिंग कर रहा था जीजा- वाह तुम तो अपनी बहन से भी ज्यादा सुन्दर हो..
साली- जीजू आप बड़े वो हो..
जीजा- अच्छा ये तो बताओ तुम इतनी सुंदर कैसे हो
आखिर क्या यूज करती हो
साली- फोटोशॉप
जीजा बेहोश

शायरी

एक जागरुक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह आतंकवाद के विषय में लोगो के अंदर जागरुकता पैदा करें।

अर्थसार

सेंसेक्स:
76,992.77
+181.88 (0.24%)
निफ्टी:
23,465.60
+66.70

मौसम

अधिकतम : 44 डिग्री से0
न्यूनतम : 33 डिग्री से
सूयोदय बुधवार : 5 : 25
सूर्यास्त मंगलवार : 7 : 22

कंचनजंगा एक्सप्रेस से भिड़ी मालगाड़ी, 9 की मौत : 41 घायल

खुलासा- गुड्स ट्रेन के ड्राइवर की गलती नहीं थी, सिग्नल पहले से ही खराब था

दार्जिलिंग। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में सोमवार सुबह 8: 55 बजे एक मालगाड़ी ट्रेन ने कंचनजंगा एक्सप्रेस (13174) को पीछे से टक्कर मार दी। रेलवे ने बताया कि इस हादसे में 9 लोगों की मौत और 41 पैसेंजर घायल हो गए। हादसे के कुछ घंटे के बाद रेलवे बोर्ड की चेयरमैन और सीईओ जया वर्मा ने 5 लोगों की मौत और 25 लोगों के घायल होने की पुष्टि की।

वहीं, ईस्टर्न रेलवे के सीपीआरओ कौशिक मित्रा ने नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के हवाले से बताया कि 2 लोको पायलट और एक गार्ड समेत 8 लोगों की मौत हुई है। इस बीच 15 लोगों की मौत की खबर भी आई। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि रेलवे के आंतरिक दस्तावेज में इस बात का खुलासा हुआ है कि ऑटोमेटिक सिग्नल खराब था, इस वजह से मालगाड़ी का ड्राइवर आगे बढ़ गया। रेड सिग्नल काम ही नहीं कर रहे थे। रानीपात्रा के स्टेशन मास्टर ने मालगाड़ी के ड्राइवर को जारी किए दस्तावेज टीए 912 में उसे सभी रेड सिग्नल पार करने की मंजूरी थी। इससे पहले रेलवे बोर्ड की चेयरमैन जया वर्मा सिन्हा के मुताबिक, मालगाड़ी के लोको पायलट ने सिग्नल ओवरशूट किया। जिसके कारण वह कंजनजंगा एक्सप्रेस से टकरा गई। इस हादसे में गार्ड का डिब्बा, जनरल डिब्बा क्षतिग्रस्त हुआ है।

सूत्रों का दावा- जब हादसा हुआ, उसके 3 घंटे पहले से सिग्नल खराब था

रेलवे के एक सूत्र ने बताया कि पश्चिम बंगाल में रानीपात्रा रेलवे स्टेशन और छत्तर हाट जंक्शन के बीच ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम सुबह 5.50 बजे से ही खराब था। कंचनजंगा एक्सप्रेस सुबह 8: 27 बजे रंगापानी स्टेशन से रवाना हुई और सुबह 5: 50 बजे सिग्नलिंग सिस्टम में खराबी के कारण रानीपात्रा रेलवे स्टेशन और छत्तर हाट के बीच रुकी रही।

रेल मंत्री बोले- हादसे की जांच होगी

कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटना के बाद केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव आज दोपहर दार्जिलिंग पहुंचे। घटनास्थल पर वे बाइक से आए। रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया। अश्विनी वैष्णव ने कहा, अभी में दुर्घटनास्थल पर रेस्क्यू का जायजा लेने गया था। घायलों से मिलने अस्पताल भी गया था। डॉक्टर्स, रेलवे स्टाफ, स्टेट गवनर्मेंट के स्टाफ और गांव के लोगों ने फौरन रेस्क्यू का काम किया। जिला प्रशासन ने 8 लोगों के मौत की जानकारी दी है। अभी सारा फोकस रेस्क्यू और रेस्टोरेशन पर है। साथ ही

साथ कमिश्नर रेल सेफ्टी के द्वारा जो इन्क्वायरी होती है, वो भी शुरू हो गया है। डेटा पॉइंट और डेटा लॉग देखा जा रहा है। कंप्लीट इन्क्वायरी के बाद ही हादसे की वजह का पता चलेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घटना में जान गंवाने वाले परिवारों को 10 लाख रुपए, गंभीर घायलों को 2.50 लाख रुपए और मामूली घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की। इसके अलावा हादसे में मारे गए लोगों को प्रधानमंत्री राहत कोष से 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए मदद का ऐलान किया गया है।

हाईटेंशन-लाइन की चपेट में आने से बाइक में लगी आग, तीन की मौत

मां-बेटे समेत तीन की जिंदा जलकर मौत, दो झुलसे; युवक की 15 दिन बाद थी शादी

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी में बिजली विभाग की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। थाना हैदराबाद क्षेत्र में सीतापुर ब्रांच नहर पटरी पर सोमवार की दोपहर बाद करीब चार बजे 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन का तार टूटकर बाइक पर गिर गया। इससे बाइक में आग और करंट लगने से एक युवक , दो बच्चे और दो महिलाएं झुलस गईं। हादसे में बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई।

मृतक युवक की दो जुलाई को शादी थी। वह अपनी शादी का कार्ड बांटने बहन के घर के गया था। मरने वालों में दो भाई-बहन थे। एक बच्चा और महिला गंभीर रूप से झुलस गई है। दोनों को गोला सीएचसी भेजा गया है। सूचना मिलने के बाद एसडीएम और सीओ के साथ विद्युत निगम के अफसर मौके पर पहुंचे।

बताते हैं कि तार गिरने से बाइक में आग भी लग गई थी। मृतकों के शरीर बुरी तरह जल गए। बाइक भी पूरी तरह से जल गई।

बांदीपोरा में एक आतंकी ढेर

बांदीपोरा। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में सोमवार (17 जून) सुबह सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया। यहां 2 से तीन आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। उनकी तलाश की जा रही है। अरागाम के जंगलों में रविवार (16 जून) को फायरिंग की आवाज सुनाई दी। इसके बाद सेना और पुलिस ने सर्चिंग की। सोमवार सुबह तलाशी तेज की गई तो आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। मारे गए आतंकवादी का शव जंगल में पड़ा हुआ है। उसे ड्रोन से देखा गया। हालांकि, उसकी पहचान नहीं हो पाई है। इधर, 9 जून को रियासी में तीर्थयात्रियों की बस पर हुए आतंकी हमले की जांच एनआईए को सौंप दी गई है।

फर्रुखाबाद में चार की गंगा में डूबने से मौत

एजेंसी

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद जिले के कादरी गेट क्षेत्र में पांचाल घाट गंगा पर सोमवार को सात लोग गंगा में डूब गये जिनमें से चार की मौत हो गयी जबकि तीन को बचा लिया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि फिरोजाबाद जिले के थाना उत्तर के मोहल्ला कैलाश नगर के निवासी हरवीर कुशवाहा (40) अपने भाई लक्की (24) और साथी अंकित ठाकुर (22) तथा पड़ोसी ईशू (19), पीयूष कुशवाहा (12), प्रियांशु (9) आज दोपहर फर्रुखाबाद जिले के कादरी गेट थाना क्षेत्र में स्थित पांचाल घाट गंगा पर स्नान करने पहुंचे। सभी ने पांचाल घाट पुरानी घटिया पैन्टून पुल के समीप में स्नान करना शुरू किया। इस दौरान पैर फिसलने से हरवीर,लक्की और अंकित डूब गए जबकि ईश व पीयूष तथा प्रियांशु को डूबने से बचा लिया।

इसी क्रम में रविवार को फिरोजाबाद जिले के उत्तर क्षेत्र के मोहल्ला कैलाश नगर की निवासी लक्ष्मी (18) गंगा दशहरा पर्व पर पांचाल घाट पर स्नान करने के दौरान डूब गई थी। गोताखोरों की कड़ी मशक्कत के बाद आज सुबह उसका भी शव बरामद कर लिया।

असम में राज्य कर्मचारियों को मुफ्त बिजली नहीं मिलेगी

डिसपुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने घोषणा की है कि राज्य के सरकारी कर्मचारियों को अब अपने बिजली के बिल खुद भरने होंगे। यह नया नियम जुलाई से लागू होगा। इस कदम का मकसद वीआईपी संस्कृति को खत्म करना और सरकारी संसाधनों का बेहतर उपयोग करना है। रविवार को गुवाहाटी के सेक्रेटेरिएट कॉम्प्लेक्स में जनता भवन सोलर प्रोजेक्ट के उद्घाटन के मौके पर सरमा ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि पहले सरकारी कर्मचारियों को मुफ्त बिजली मिलती थी, लेकिन अब उन्हें अपनी जिम्मेदारी खुद निभानी होगी। इससे सरकारी खजाने पर बोझ कम होगा

और बराबरी को बढ़ावा मिलेगा। सरमा ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि हम टैक्सपेयर्स के पैसे से सरकारी कर्मचारियों के बिजली बिल भरने के वीआईपी कल्चर को खत्म कर रहे हैं। मैं और चीफ सेक्रेटरी इसका उदाहरण बनेंगे और 1 जुलाई से अपना बिजली बिल खुद भरेंगे। जुलाई 2024 से सभी सरकारी कर्मचारियों को अपनी बिजली खपत का भुगतान खुद करना होगा।

नक्सली ढेर — मारे गए नक्सलियों में एक महिला; कई हथियार भी मिले, इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज

झारखंड में चाईबासा में 5 नक्सली ढेर.. दो को किया गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम। झारखंड के चाईबासा में सुरक्षाबलों ने 5 नक्सलियों को मार गिराया है। इसमें एक महिला नक्सली भी शामिल है। मुठभेड़ स्थल से नक्सलियों के शवों के साथ हथियार और अन्य सामग्री बरामद किए गए हैं। सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। इलाके में अभी भी कई नक्सलियों के छिपे होने की खबर है।

पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुवा थाना क्षेत्र के लीपुंगा जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच सोमवार सुबह से मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की पहचान जोनल कमांडर सिंगराई उर्फ

मनोज, सबजोनल कमांडर कांडे होनहागा उर्फ दिरशुम, एरिया कमांडर सूर्या उर्फ मुंडा देवगम और महिला नक्सली कैडर जुनगा पुर्ति उर्फ मारला के रूप में हुई है। मारला को छोड़कर सभी मारे गए नक्सलियों पर पुलिस ने इनाम की घोषणा कर रखी है। सिंगराई उर्फ मनोज पर 10 लाख रुपए का इनाम घोषित है। जबकि, कांडे और सूर्या 5 लाख और 2 लाख रुपए के इनामी नक्सली थे।

दो नक्सली गिरफ्तार

इस कार्रवाई में गिरफ्तार किए गए दो नक्सलियों की पहचान टाइगर उर्फ पांडू हांसदा और बातरी देवगम के रूप में हुई है। पांडू हांसदा 2 लाख रुपए का इनामी एरिया कमांडर है। वहीं, बातरी देवी महिला नक्सली है। सीआरपीएफ, झारखंड पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में ये कामयाबी मिली है। बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने ग्रामीण इलाकों में चुनाव प्रभावित करने की भी कोशिश की थी। लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद अभियान तेज कर दिया गया।

नक्सलियों ने इलाके में लैंड माइंस, स्पाइक और कई ट्रैप बिछाकर रखा था, जिससे उन तक पहुंचने में समय लगा। इस ट्रैप की चपेट में आने से कई ग्रामीणों की भी मौत हो चुकी है।

हाल ही में खूंटी-चाईबासा सीमा पर पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में भाकपा माओवादी संगठन का एरिया कमांडर बुधराम मुंडा मारा गया था। इसके मारे जाने के बाद इलाके में नक्सलियों का संगठन कमजोर हुआ था। मुठभेड़ पश्चिमी सिंहभूम जिले के कराईकेला थाना क्षेत्र के नवादा, सर्वदा जंगल में दोपहर को हुई थी।

राहुल ने वायनाड सीट छोड़ी, अब प्रियंका लड़ेंगी

बोलीं-वायनाड को भाई की कमी महसूस नहीं होने दूंगी

वायनाड को राहुल की कमी महसूस नहीं होने दूंगी- प्रियंका

राहुल के ऐलान पर प्रियंका ने कहा, मुझे वायनाड का प्रतिनिधित्व करने में बहुत खुशी होगी। मैं उन्हें उनकी (राहुल गांधी की) अनुपस्थिति महसूस नहीं होने दूंगी। मैं कड़ी मेहनत करूंगी। सभी को खुश करने और एक अच्छा प्रतिनिधि बनने की पूरी कोशिश करूंगी। मेरा रायबरेली और अमेठी से बहुत पुराना रिश्ता है, इसे तोड़ा नहीं जा सकता। मैं रायबरेली में भी अपने भाई की मदद करूंगी। हम दोनों रायबरेली और वायनाड में मौजूद रहेंगे।

लखनऊ। राहुल गांधी केरल की वायनाड लोकसभा सीट से इस्तीफा देंगे और रायबरेली से सांसद बने रहेंगे। वायनाड से प्रियंका गांधी उपचुनाव लड़ेंगी। सोमवार को कांग्रेस की 2 घंटे की बैठक के बाद राहुल और खड़गे ने इसका ऐलान किया।

राहुल ने कहा- वायनाड और रायबरेली से मेरा भावनात्मक रिश्ता है। मैं पिछले 5 साल से वायनाड से सांसद था। मैं लोगों को उनके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड से चुनाव लड़ेंगी, लेकिन मैं समय-समय पर वायनाड का दौरा भी करूंगा। मेरा रायबरेली से पुराना रिश्ता है, मुझे खुशी है कि मुझे फिर से उनका प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा, लेकिन यह एक कठिन निर्णय था।

मणिपुर में हिंसा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि केन्द्र सरकार मणिपुर के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि राज्य में हिंसा की कोई और घटना न हो तथा सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए केंद्रीय पुलिस बलों की पर्याप्त संख्या में तैनाती की जानी चाहिए। शाह ने यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में मणिपुर की स्थिति की समीक्षा के बाद यह भी निर्देश दिया कि हिंसा करने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाए और केन्द्र सरकार आवश्यकता पड़ने पर इससे भी ज्यादा केंद्रीय पुलिस बलों को भेजने के लिए तैयार है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सरकार मणिपुर के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने राहत शिविरों की स्थिति, विशेष रूप से भोजन, पानी, दवाओं और अन्य बुनियादी सुविधाओं की उचित उपलब्धता के संबंध में समीक्षा की। उन्होंने मणिपुर के मुख्य सचिव को विस्थापितों के लिए उचित स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं सुनिश्चित करने तथा उनके पुनर्वास का निर्देश दिया। गृह मंत्री ने मौजूदा जातीय संघर्ष को सुलझाने के लिए समन्वित दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया।

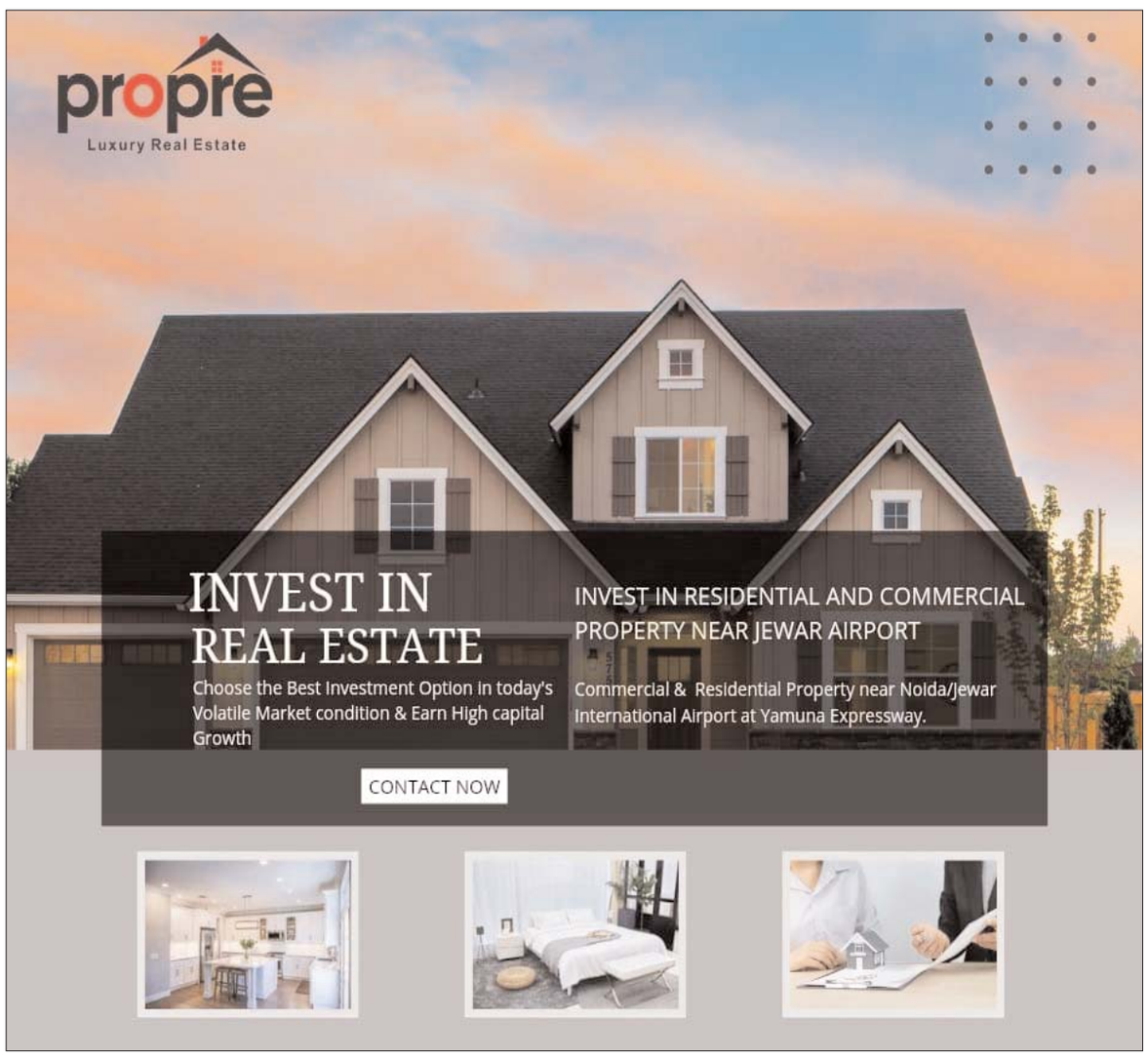

संपादकीय

लोग क्या कहेंगे : इसके डर से जीना मत छोड़ो

राजेश चौधरी, संपादक
विशाल इंडिया

लोग क्या कहेंगे : इसके डर से जीना मत छोड़ो
लोग क्या कहेंगे इसके डर से जीना मत छोड़ो, अपने सपनों को साकार करो, अपने दिल की सुनो।
जिन्हें कुछ नहीं करना, वही सबसे ज्यादा कहते हैं,
उनकी बातों में न आओ, बस अपने रास्ते चलते रहो।

हमारे समाज में लोग क्या कहेंगे का डर बहुत गहरा है। यह डर हमें अपने असली व्यक्तित्व को सामने लाने से रोकता है और हमारे सपनों को पूरा करने की राह में सबसे बड़ा बाधक बनता है। यह समय है कि हम इस मानसिकता को बदलें और अपने जीवन को अपने अनुसार जीने का साहस जुटाएं।

लोगों की सोच का प्रभाव

हम अक्सर दूसरों की राय को इतना महत्व देते हैं कि अपने सपनों, इच्छाओं और खुशियों को पीछे छोड़ देते हैं। समाज का दबाव और लोगों की नकारात्मक प्रतिक्रियाएं हमें हमारी सच्ची संभावनाओं को समझने और उन्हें पूरा करने से रोकती हैं। लेकिन हमें यह समझना होगा कि हर व्यक्ति का जीवन अलग होता है और उसकी यात्रा भी। किसी और की सोच या अपेक्षाओं के आधार पर अपना जीवन जीना उचित नहीं है। हमें आत्मविश्वास से अपने निर्णय लेने चाहिए और अपनी राह पर दृढ़ता से चलना चाहिए।

महात्मा गांधी के विचार

महात्मा गांधी ने कहा था, पहले वे आपको नजरअंदाज करेंगे, फिर वे आप पर हंसेंगे, फिर वे आपसे लड़ेंगे, और अंत में आप जीत जाएंगे। यह कथन हमें सिखाता है कि समाज की आलोचनाएं और नकारात्मक टिप्पणियां केवल अस्थायी हैं, लेकिन हमारा आत्मविश्वास और संकल्प हमें हमारी मंजिल तक पहुंचा सकते हैं।

स्वामी विवेकानंद के विचार

स्वामी विवेकानंद ने भी कहा था, उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। यह संदेश हमें अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा देता है, चाहे लोग कुछ भी कहें।

गौतम बुद्ध के विचार

गौतम बुद्ध ने कहा, कोई भी हमें हमारी अपनी सोच से ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकता। यह बात हमें यह समझाती है कि हमारी सबसे बड़ी शक्ति हमारी अपनी सोच और विचारधारा में निहित है।

प्रेरणादायक उदाहरण

1. सुधा चंद्रन : प्रसिद्ध भारतीय नर्तकी और अभिनेत्री, जिन्होंने एक दुर्घटना में अपने पैर खोने के बाद भी नृत्य के प्रति अपने जुनून को नहीं छोड़ा और समाज की सभी बाधाओं को पार कर सफल हुईं।
2. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम : भारत के पूर्व राष्ट्रपति, जिन्होंने कठिनाइयों के बावजूद अपने सपनों का पीछा किया और देश को मिसाइल और अंतरिक्ष तकनीक में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।
3. मलाला यूसुफजई : पाकिस्तानी शिक्षा कार्यकर्ता, जिन्होंने तालिबान के हमले के बावजूद अपनी शिक्षा के अधिकार की लड़ाई जारी रखी और विश्व भर में शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाई।

समाज की भूमिका

समाज को यह समझना होगा कि हर व्यक्ति का अपना सफर है और उसे अपने तरीके से जीने का अधिकार है। हमें एक-दूसरे का समर्थन करना चाहिए और प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि हम सभी अपने सपनों को पूरा कर सकें।

जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा

हमें यह समझना होगा कि लोग क्या कहेंगे का डर केवल एक मानसिक बाधा है। इसे पार करके ही हम अपनी सच्ची क्षमता को पहचान सकते हैं और जीवन में कुछ महान हासिल कर सकते हैं।

निष्कर्ष

जीवन की संक्षिप्तता और अनिश्चितता को समझते हुए, हमें %लोग क्या कहेंगे% के डर को त्यागकर अपने सपनों को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए। यह हमें न केवल एक बेहतर जीवन जीने में मदद करेगा, बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा। जब हम अपने दिल की सुनते हैं और अपनी राह पर चलते हैं, तभी हम सच्चे मायनों में जीते हैं।

कर्ज और भुखमरी से डूबता-उतरता पाकिस्तान

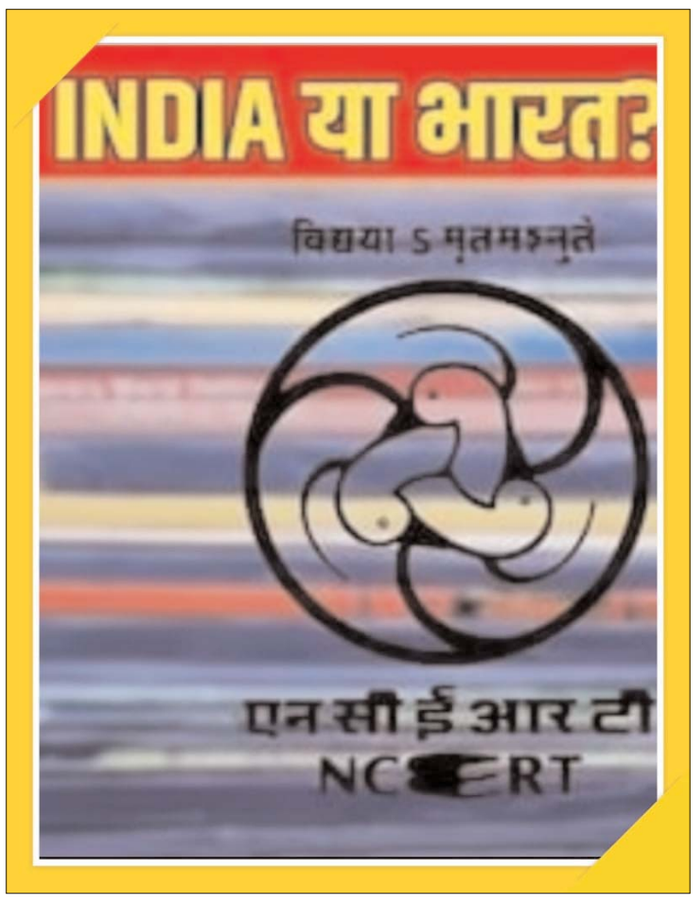

पिछले 5 सालों से पाकिस्तान की हालत बहुत खस्ता है। पाकिस्तान आवाम भुखमरी और कर्ज की बेतहाशा शिकार हो गई है। पाकिस्तानी नागरिकों को आटा, दाल,चीनी,बिजली और पेट्रोल पहले से लगभग चार गुना महंगी दरों में लेना पड़ रहा है। शरीफ सरकार दोबारा आने के बाद पूरी तरह विफल हो गई, प्रधानमंत्री शरीफ की चीन यात्रा पूरी तरह विफल रही है अब शरीफ सरकार ने भारत और भारत के प्रधानमंत्री का नाम लेने पर देशद्रोह की कार्रवाई का फरमान जारी कर दिया है। कई मीडिया एजेंसियों पर इस संदर्भ में भारत से संबंधित किसी भी जानकारी प्रसारित करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। केवल भारत के विरोध के मुद्दे को छोड़कर चीन ने पाकिस्तान का आर्थिक हालातो को सुधारने में कोई मदद करने का आश्वासन नहीं दिया है ।पाकिस्तान अभी भी जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों को आर्थिक मदद कर घटनाओं का अंजाम देने में लगा है। ऐसे में वैश्विक नशे में पाकिस्तान के मानचित्र का विनष्ट होना निश्चित माना जा रहा है। पाकिस्तान पहले से ही परेशान, कर्ज में डूबा हुआ और महंगाई, बेरोजगारी से बुरी तरह त्रस्त रहा हैद्य शहबाज शरीफ सरकार के पास शासन चलाने के लिए पर्याप्त धनराशि भी नहीं हैद्य शरीफ के पास सरकार चलाने का पर्याप्त अनुभव भी नहीं है। 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद पाकिस्तान सरकार में 19 प्रधानमंत्रियों में से एक प्रधानमंत्री भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सका है ।करेला ऊपर से नीम चढ़ा पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनके समर्थकों ने पाकिस्तानी सेना और शाहबाज शरीफ सरकार की नाक में दम कर रखा है। रावलपिंडी में इमरान खान पर गोली दागने से क्रोधित समर्थकों ने कई जगह सेना पर आक्रमण कर मेजर जनरल, गृहमंत्री राणा और प्रधानमंत्री के निवास को घेरकर तोड़फोड़ की थी। 1947 से स्वतंत्रता के बाद यह पहली बार हुआ जब सेना के विरुद्ध पाकिस्तानी आवाम खुलकर विद्रोह करने पर आमादा है। ऐसा लगता है कि वहां सरकार तथा सेना के विरुद्ध आम नागरिकों का विद्रोह हो जाएगा। पहली बार कमर जावेद की सेना आवाम से डरी दिखाई दे रही है, पाकिस्तान विद्रोह की ज्वालामुखी कर बैठा है कभी भी विस्फोटक स्थिति बन सकती है। यह तथ्य सार्वजनिक है कि पाकिस्तान चीन का सबसे बड़ा शागिर्द देश है। अमेरिका ने इसी के फल स्वरुप पाकिस्तान को सबसे संदिग्ध एवं खतरनाक आतंकवादी देश घोषित कर दिया है। इस बात से तिलमिलाकर शहबाज शरीफ चीन की यात्रा पर जाने वाले हैं वहां वह आपसी संबंधों को फिर से सुधारने तथा देश चलाने के लिए आर्थिक मदद की गुहार लगाने जाएंगे।

भारत बनाम इंडिया - यह बहस बेकार है ?

संविधान जो कहेगा हम वही मानेंगे,अपनी किताबों में भारत और इंडिया दोनों लिखेंगे- एनसीईआरटी का मत

नई शिक्षा नीति के तहत बदलाव में 19 सदस्यों की कमेटी द्वारा भारत नाम के सुझाव के बाद एनसीईआरटी के बयान को रेखांकित करना होगा-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर प्राकृतिक व मानव मेड अनेक परिस्थितियां कैसे बदल जाती है,उसपर प्रश्न चिन्ह लग जाता है, खासकर राजनीतिकपरिस्थितियों में किस ओर सरकार करवट बदलेगी,यह कहां नहीं जासकता बड़े बुजुर्गों की कहावत हैकि ,पल में तोला पल में मासा, यानें जो बात एक पल में कही जाती है तुरंत दूसरे पल में उसका उल्टा कर दिया जाता है ।हम देखते हैं कि राजनीतिक रणनीति की स्थिति में यह परिस्थितियां कैसे बदलली, जिसका हमने 2024 के लोकसभा चुनाव में देखे, अति उम्मीद करने वाली राजनीतिक पार्टी का लक्ष्य धराशाही हो गया तो स्वाभाविक ही है, परिस्थितियों के हिसाब से अब रणनीति चेंज यानें कठोर को सॉफ्ट बनानें की ओर कदम बढ़ा दिए गए हैं, जिसका सबसे सटीकउदाहरण हम दिनांक 17 जून 2024 को मीडिया में पीटीआई के हवाले से आए एनसीईआरटी अध्यक्ष के बयान को इस परिपेक्ष में देखा जा सकता है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के निदेशक ने कहा है कि एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में भारत और इंडिया का परस्पर उपयोग किया जाएगा,जैसा कि देश के संविधान में है।

उन्होंने कहा कि दोनों शब्दों का इस्तेमाल किताबों में किया जाएगा और परिषद को भारत या इंडिया से कोई परहेज नहीं हैएनसीईआरटी के निदेशक ने कहा है कि देश के संविधान की तरह एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में भी भारत और इंडिया का परस्पर उपयोग किया जाएगा। सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम पर काम कर रहे एक उच्च स्तरीय पैनल ने सभी कक्षाओं की स्कूली पाठ्यपुस्तकों में इंडिया की जगह भारत शब्द रखने की सिफारिश की है, जिसके मद्देनजर यह टिप्पणी महत्वपूर्ण हो जाती है। मीडिया को मुख्यालय में बातचीत में एनसीईआरटी प्रमुख ने कहा कि किताबों में दोनों शब्दों का इस्तेमाल किया जाएगा और परिषद को भारत या इंडिया से कोई परहेज नहीं है।

उन्होंने कहा,यह परस्पर उपयोग योग्य है ।हमारा रुख वही है जो हमारा संविधान कहता है और हम उसका समर्थन करते हैं। हम भारत का इस्तेमाल कर सकते हैं, हम इंडिया का इस्तेमाल कर सकते हैं, इसमें क्या दिक्कत है?

हम इस बहस में नहीं हैं। जहां भी हमें सुविधा होगी हम इंडिया का इस्तेमाल करेंगे, जहां भी हमें सुविधा होगी हम भारत का इस्तेमाल करेंगे। हमें इंडिया या भारत से कोई परहेज नहीं है।

आगे कहा,आप देख सकते हैं कि हमारी पाठ्यपुस्तकों में दोनों का इस्तेमाल पहले से ही हो रहा है और नई पाठ्यपुस्तकों में भी यह जारी रहेगा।

यह एक बेकार की बहस है ।उन्होंने कहा,यह अदला बदली योग्य है। हमारा रुख वही है जो हमारा संविधान कहता है और हम उसका समर्थन करते हैं। हम भारत का इस्तेमाल कर सकते हैं, हम इंडिया का इस्तेमाल कर सकते हैं, इसमें समस्या क्या है ? हम इस बहस में नहीं हैं। जहां भी हमें सुविधा होगी हम इंडिया का इस्तेमाल करेंगे, जहां भी हमें सुविधा होगी हम भारत का इस्तेमाल करेंगे।

हमें इंडिया या भारत दोनों से कोई परहेज नहीं है ।इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे नई शिक्षा नीतिके तहत बदलाव में 19 सदस्य कमेटी के भारत नाम के सुझाव के बाद एनसीईआरटी के बयान को रेखांकित करना होगा।

साथियों बात अगर हम पिछले साल एनसीईआरटी द्वारा गठित 19 सदस्य कमेटी की सिफारिश की करें तो, स्कूली पाठ्यक्रम को संशोधित करने के लिए एनसीईआरटी द्वारा गठित सामाजिक विज्ञान के लिए एक उच्च स्तरीय समिति ने पिछले साल सिफारिश की थी कि सभी कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकों में इंडिया की जगह भारत शब्द होना चाहिए ।समिति के अध्यक्ष, जो पैनल का नेतृत्व कर रहे थे, ने कहा था कि उन्होंने पाठ्यपुस्तकों में इंडिया नाम की जगह भारत शब्द रखने, पाठ्यक्रम में प्राचीन इतिहास की जगह शास्त्रीय इतिहास शुरू करने और सभी विषयों के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली को शामिल करने का सुझाव दिया है ।पीटीआई से कहा, समिति ने सर्वसम्मति से सिफारिश की है कि सभी कक्षाओं के छात्रों की पाठ्यपुस्तकों में भारत नाम का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत एक पुराना नाम है। भारत नाम का इस्तेमाल प्राचीन ग्रंथों जैसे कि विष्णु पुराण में किया गया है, जो 7,000 साल पुराना हैएनसीईआरटी ने तब कहा था कि पैनल की सिफारिशों पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है ।भारत नाम पहली बार आधिकारिक तौर पर पिछले साल सामने आया था, जब सरकार ने जी-20 सम्मेलन के लिए भारत के राष्ट्रपतिके नाम से आमंत्रण भेजा था, न कि भारत के राष्ट्रपति। बाद में, नई दिल्ली में शिखर सम्मेलन के दौरानपीएम की नेमप्लेट पर भी इंडिया के बजाय भारत लिखा हुआ था।

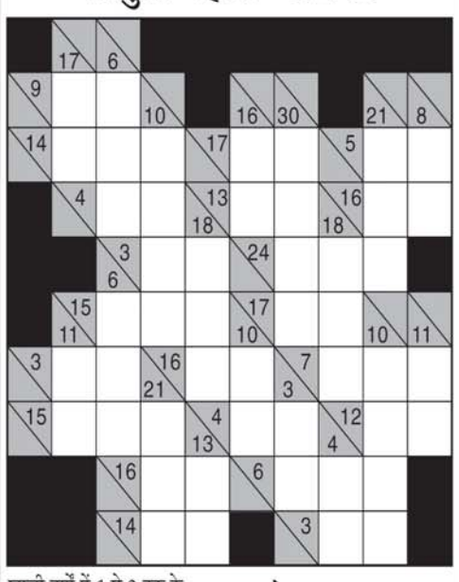

साथियों बात अगर हम भारत और इंडिया शब्द के इतिहास की करें तो.स्कूली पाठ्यक्रम को संशोधित करने के लिए एनसीईआरटीद्वारा गठित सामाजिक विज्ञान के लिए एक उच्च स्तरीय समिति ने पिछले साल सिफारिश की थी कि सभी कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकों में इंडिया की जगह भारत शब्द होना चाहिए।

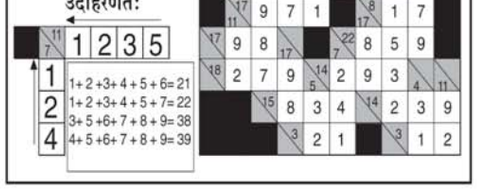

समिति के अध्यक्ष सीआई इसाक, जो पैनल का नेतृत्व कर रहे थे, ने कहा था कि उन्होंने पाठ्यपुस्तकों में इंडिया नाम की जगह भारत शब्द रखने, पाठ्यक्रम में प्राचीन इतिहास की जगह शास्त्रीय इतिहास शुरू करने और सभी विषयों के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली को शामिल करने का सुझाव दिया है।

उन्होंने पीटीआई से कहा, समिति ने सर्वसम्मति से सिफारिश की है कि सभी कक्षाओं के छात्रों की पाठ्यपुस्तकों में भारत नाम का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत एक पुराना नाम है।

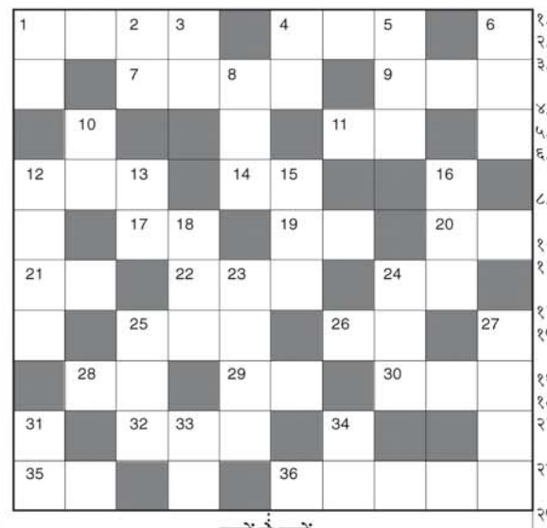

भारत नाम का इस्तेमाल प्राचीन ग्रंथों जैसे कि विष्णु पुराण में किया गया है, जो 7,000 साल पुराना हैएनसीईआरटी ने तब कहा था कि पैनल की सिफारिशों पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है ।भारत नाम पहली बार आधिकारिक तौर पर पिछले साल सामने आया था, जब सरकार ने जी-20 सम्मेलन के लिए भारत के राष्ट्रपति के नाम से आमंत्रण भेजा था, न कि भारत के राष्ट्रपति। बाद में, नई दिल्ली में शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेमप्लेट पर भी इंडिया के बजाय भारत लिखा हुआ था। किसी देश के नामकरण की सार्थकता उसकी अर्थवत्ता में भी होती है। भारत शब्द संस्कृत के भ्र धातु से आया है, जिसका अर्थ है उत्पन्न करना, वहन करना, निर्वाह करना। तदनुसार भारत का शाब्दिक अर्थ हुआ-जो निर्वाह, उत्पन्न या वहन करता है। इस रूप में भारत शब्द अत्यंत अर्थवान है। भारत का एक और अर्थ है-ज्ञान की खोज में संलग्न। अर्थात अपने सांस्कृतिक बोध, मूल्यवत्ता और अर्थवत्ता के धरातल पर भी 'भारत' नाम अधिक सार्थक है। इसके अलावा यह अभिधान सर्वसमावेशी भी है, अपने में सभी वर्ग, पंथ और समुदाय को समाहित करता है।

......यह अनायास नहीं कि संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित अधिकांश भाषाओं-पूर्व की असमिया एवं मणिपुरी से लेकर पश्चिम की गुजराती और मराठी तथा दक्षिण की तमिल, तेलुगु, कन्नड़ या मलयालम में इस देश को भारत, भारोत, भारतनाडु, भारता, भारतदेशम, भारतम आदि कहा जाता है, जो भारत शब्द के ही पर्याय हैं। सामाजिक हो या सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक हो या भाषा-विज्ञान, हर कसौटी पर भारत नाम में ही इस देश का आत्मा विराजता है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत बनाम इंडिया - यह बहस बेकार है ?संविधान जो कहेगा हम वही मानेंगे,अपनी किताबों में भारत और इंडिया दोनों लिखेंगे एनसीईआरटी कामतद्य ।नई शिक्षा नीति के तहत बदलाव में 19 सदस्यों की कमेटी द्वारा भारत नाम के सुझाव के बाद एनसीईआरटी के बयान को रेखांकित करना होगा।

टाईम पास

काकुरो पहेली -3216

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3215 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

☐ ☐ ☐

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3216

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3215

सूडोकु -3216

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3215 का हल

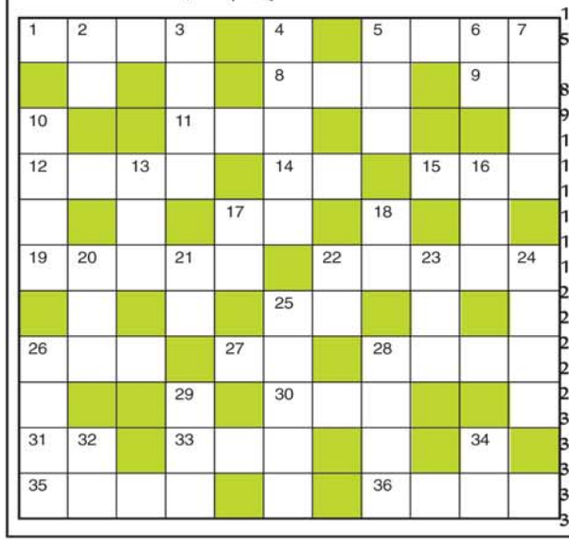

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 3216

बाएँ से दाएँ

1.धरोहर,थाती-4
5.अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8.गुणगान-3
9.प्रेम (अंग्रेजी-2)
11.भरोसा,विश्वास-3
12.दुःख,परेशानी,कष्ट-4
14.हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15.गागर,घड़ा-3
17.जांघ-2
19.असावधान-5
22.करतूत,होशियारी-5
25.डूबा हुआ,समाप्त-2
26.तीक्ष्ण,तेज-3
27.अधर्म,अपकृत्य-2
28.मनमौजी,चंचल-4
30.हत्या,वध-3
31.पंख-2
33.मायका-3
35.व्यापार,व्यवसाय (उर्दू-4)
36.कृपा,रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे

2.फूलों का हार-2
3.वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4.शांति,सुख-चैन-3,2
5.अस्वस्थ,मरीज-3
6.दम,ताकत-2
7.भगवान राम के पुत्र-2,2
10.उन्मत,मदमस्त-4
13.दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16.बोलने का तरीका-3
17.रास्ता-2
18.पराया-2
20.परीक्षा-3
21.वचन-2
22.खेती-2
23.अभिमान-3
24.फिल्म 'मैंने प्यार किया' मैं सलमान खान की मां-2,2
25.बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26.ईश्वर,राजा-4
28.मन को अच्छा लगने वाला-4
29.शाप से पीड़ित-3
32.अवकाश,मंजूरी-2
34.संध्या-2

शब्द पहेली -3215 का हल

पुलिसकर्मियों पर कार चढ़ाने वाले गिरफ्तार

घटना में इस्तेमाल थार बरामद, रास्ते की जानकारी नहीं देने पर किया था गाली-गलौज

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा के सेक्टर-50 में मामूली बात पर दो पुलिसकर्मियों पर कार चढ़ाकर उनकी हत्या का प्रयास करने वाले निजी विश्वविद्यालय के तीन छात्रों को थाना सेक्टर-49 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घटना में इस्तेमाल हुई थार कार को भी बरामद कर लिया गया है। नोएडा जोन के एडिशनल डीसीपी मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि 22 वर्षीय नितेश गुप्ता, 20 वर्षीय तुषार कालरा और 21 वर्षीय नवीन अवाना सेक्टर-125 स्थित एक निजी विश्वविद्यालय के छात्र हैं। तीनों वर्तमान में नोएडा के अलग-अलग हिस्से में किराये का कमरा लेकर रह रहे हैं। तीनों ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर आठ जून को दो पुलिसकर्मियों के ऊपर थार कार चढ़ाकर हत्या का प्रयास किया था। पुलिसकर्मियों से आरोपियों ने गाली गलौज और मारपीट भी की थी। घायल पुलिसकर्मी की शिकायत पर थार सवार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ सेक्टर-49 थाने में केस दर्ज हुआ था। सीसीटीवी फुटेज से

आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

रास्ते की जानकारी नहीं होने पर गाली दी

सेक्टर-82 एलआईजी उद्योग विहार निवासी अजय मलिक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वर्तमान में वह गौतमबुद्धनगर पुलिस लाइन में तैनात है। आठ जून को अजय पुलिस लाइन से मोरना चौकी पर तैनात हेड कांस्टेबल विकास मलिक से मिलने आया था। दोनों सेक्टर-50 की तरफ जाने वाले मोड़ पर अपनी कार खड़ी कर बात कर रहे थे। रात लगभग साढ़े 12 बजे के करीब काले रंग की थार दोनों के पास आकर रुकी, जिसमें चार युवक सवार थे। युवक अजय और विकास से रास्ता पूछने लगे। दोनों ने थार सवार युवकों से कहा कि उन्हें रास्ते की जानकारी नहीं है, किसी अन्य से पता कर लो। इतनी सी बात पर थार सवार उन लोगों से गाली-गलौज करने लगे। गाली देने का जब दोनों ने विरोध किया तो युवकों ने कार आगे बढ़ा दी।

जान से मारने की नीयत से थार चढ़ाई

कुछ ही समय बाद थार सवार युवक लौट कर आए और पुलिसकर्मी जहां खड़े थे, वहां से करीब दस कदम दूर गाड़ी खड़ी कर दी। अजय और विकास बातचीत खत्म कर जब अपने-अपने ठिकाने पर जाने लगे तभी थार चालक ने जान से मारने की नीयत से दोनों के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी। इस घटना में हेड कांस्टेबल विकास के घुटने और हाथों में चोट लगी, जबकि अजय की टांग दो जगह से टूट गई। दोनों के सिर में भी चोट लगी है। गंभीर हालत में शिकायतकर्ता को रात में ही राहगीरों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। हालत गंभीर होने के चलते शिकायतकर्ता को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसका ऑपरेशन हुआ। अस्पताल से छुट्टी मिलने पर घायल अजय मलिक ने पुलिस से मामले की शिकायत पुलिस से की।

पुलिस कर रही है जांच

एडिशनल डीसीपी मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि पुलिसकर्मियों के ऊपर कार चढ़ाकर उन्हें घायल करने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना में इस्तेमाल थार कार भी बरामद हो गई है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच की जा रही है।

ग्रेनो वेस्ट को गंगाजल के लिए नवंबर तक इंतजार करना होगा

ग्रेटर नोएडा। शहर के 14 सेक्टरों और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासियों को गंगाजल के लिए अभी नवंबर तक इंतजार करना पड़ेगा। इसके बाद ही पानी का संकट दूर होने की उम्मीद है। गंगाजल की आपूर्ति में आ रही दिक्कतों के संबंध में आईआईटी रुड़की की टीम ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है।

आईआईटी के सुझावों पर पाइपलाइन की सफाई और कुछ स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो चुकी पाइपलाइन को बदलने का काम किया जा रहा है। परियोजना की प्रगति को लेकर हर गुरुवार को एसीईओ के स्तर पर समीक्षा की जा रही है ग्रेटर नोएडा में 85 क्यूसेक गंगाजल परियोजना का उदघाटन नवंबर 2022 में किया गया। इस पर लगभग 900 करोड़ रुपये की लागत आई। आपूर्ति शुरू होने के कुछ समय बाद ही पाइपलाइन फटने और लीकेज की शिकायतें सामने आने लगी। प्राधिकरण की जल विभाग की टीम के लाख प्रयासों के बाद भी जलापूर्ति की स्थिति में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद आईआईटी रुड़की की मदद ली गई। आईटीआई की टीम ने सर्वे के बाद अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। सर्वे में यह पाया गया कि 2010 में बिछाई गई पाइपलाइन में जगह- जगह मिट्टी जमी हुई है। इसके अलावा सड़क, इंटरनेट, गैस पाइपलाइन आदि कार्य होने के चलते गंगाजल की पाइपलाइन कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गई है।

इसकी वजह से आपूर्ति बाधित हो रही है। आईआईटी के सुझाव पर प्राधिकरण ने पाइपलाइन की सफाई और क्षतिग्रस्त पाइप को बदलने का काम शुरू कर दिया है। इस वजह से गंगाजल की बेहतर आपूर्ति के लिए अभी कुछ महीने और इंतजार करना पड़ेगा। प्राधिकरण के एसीईओ आशुतोष कुमार द्विवेदी का कहना है कि अभी जो पानी बहता हुआ दिख रहा होगा, वह पाइपलाइन फटने की वजह से नहीं है। फ्लशिंग और क्षतिग्रस्त हो चुकी पाइप के बदलने का काम चल रहा है। इस समय 58 आवासीय सेक्टरों में से 44 में गंगाजल की आपूर्ति की जा रही है।

शार्ट न्यूज

कनेक्शन काटने पर ग्रामीणों ने विद्युतकर्मी को पीटा

जेवर। दनकौर कोतवाली के अच्छेजा बुजुर्ग गांव में एक संविदा कर्मी को ट्रांसफॉर्मर से केबिल काटना भारी पड़ गया। आरोप है कि कुछ लोगों ने बंधक बनाकर जमकर पिटाई कर दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने पूर्व प्रधान और उसके बेटे के खिलाफ सोमवार को केस दर्ज कर लिया है। रविवार की रात क्षेत्र के अच्छेजा बुजुर्ग गांव से ट्रांसफॉर्मर खराब होने की शिकायत प्राप्त हुई थी। शटडाउन लेकर संविदा कर्मी सुरेंद्र नागर समस्या का समाधान करने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान गांव के ही पूर्व प्रधान और उसके परिवार ने उनके साथ जमकर मारपीट की गई। दनकौर कस्बा के रहने वाले राजेंद्र नागर ने बताया कि उनका भाई सुरेंद्र नागर बिजली निगम में संविदा कर्मी के रूप में तैनात है। अच्छेजा बुजुर्ग गांव में उनका भाई बिजली की समस्या का समाधान करने पहुंचा था। कुछ लोगों द्वारा ट्रांसफॉर्मर पर चोरी से केबिल लगाया हुआ था। केबिल लगाकर फैक्ट्री में बिजली चोरी की जा रही थी। जिसे उनके संविदा कर्मी भाई ने हटा दिया। इसी से आक्रोशित होकर करीब 8 लोगों ने उनके भाई की जमकर पिटाई कर दी और बंधक बना लिया। घटना में उनके भाई को काफी गंभीर चोट आई हैं।

152 स्कूलों के शिक्षक राज्य पुरस्कार के लिए नहीं कर पाएंगे आवेदन

नोएडा। जिन परिषदीय स्कूलों में छात्रों के नामांकन कम हैं, उन स्कूलों के शिक्षक राज्य शिक्षक पुरस्कार के लिए आवेदन नहीं कर पाएंगे। प्राथमिक शिक्षक संघ इसका विरोध कर रहा है। इनका कहना है कि स्कूल में नामांकन के कई कारण हो सकते हैं। इससे शिक्षकों का मनोबल कम होगा। इस बार राज्य शिक्षक पुरस्कार नियमावली में संशोधन किया गया है। इसके तहत प्राथमिक विद्यालय में 150 से कम, उच्च प्राथमिक विद्यालय में 105 और कंपोजिट विद्यालय में 255 से कम नामांकन होने पर शिक्षक आवेदन नहीं कर सकेंगे, जबकि जिले में 511 स्कूलों में 152 स्कूल ऐसे हैं, जहां 50 से भी कम नामांकन हैं। इस वजह से इन स्कूलों के शिक्षक आवेदन नहीं कर पाएंगे। पहली बार राज्य शिक्षक पुरस्कार के लिए यह मानक पहले स्थान पर रखा गया है। प्राथमिक शिक्षक संघ के मंडल अध्यक्ष मेघराज भाटी ने बताया कि स्कूल में छात्रों की संख्या कम होने के कई कारण हो सकते हैं। कई सरकारी स्कूल के पास में निजी स्कूल चल रहे हैं। अभिभावक सुविधाओं की वजह से बच्चे को निजी स्कूलों में पढ़ाने को प्राथमिकता देते हैं। नए संशोधन को रद्द किया जाना चाहिए।

200 स्कूली बसों की नहीं हुई फिटनेस जांच

नोएडा। गर्मी की छुट्टियां खत्म होने में अब केवल 12 दिन बचे हैं, लेकिन अब भी 200 स्कूली बसों की फिटनेस जांच नहीं हुई है। ऐसे में इन पर पंजीकरण निरस्त होने की तलवार लटक रही है। इन बसों के संचालकों ने अब तक परमिट भी रिन्यू नहीं कराया है। बतादें कि ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू होने से पहले परिवहन विभाग की ओर से सभी स्कूली को निर्देशित किया गया था कि अपनी बसों की जांच कराएंगे। उस वक्त 142 अनफिट और 125 स्कूली बसें ऐसी थीं, जिनका परमिट रिन्यू नहीं हुआ था। परिवहन विभाग की ओर से इसके लिए पांच टीमें भी गठित की गई थीं, जिनको इन बसों की जांच को सुनिश्चित करना था। विभाग के अनुसार, अब तक 267 स्कूली बसों में से 67 को ब्लैकलिस्ट से बाहर कर दिया गया है। इन बसों के संचालकों ने फिटनेस टेस्ट करा लिया है। बाकी बस संचालकों द्वारा इसे नहीं कराया गया है। अब इनके पास माह के अंत तक का समय है। अगर संचालक इनकी जांच नहीं कराते हैं तो इनके खिलाफ पंजीकरण निरस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। इससे पहले भी शीतकालीन अवकाश के दौरान इन संचालकों को समय दिया गया था लेकिन किसी भी संचालक ने वाहनों की जांच नहीं कराई थी। परिवहन विभाग ने जिले में संचालित कुल 1619 स्कूल बसों की जांच की है, जिनमें इन सभी स्कूली बसों के संचालकों को 12 दिन का समय दिया गया है।

चुनाव की आड़ में बिल्डरों ने जमा नहीं किया पैसा

ग्रेटर नोएडा। जिला प्रशासन उत्तर प्रदेश भूसंपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) के रिकवरी सर्टिफिकेट (आरसी) का पैसा जमा नहीं करने वाले बिल्डरों पर कार्रवाई करेगा। चुनाव की आड़ में बिल्डरों ने पैसा जमा करना बंद कर दिया था। चुनाव में व्यस्त होने के कारण अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया था। मंगलवार से मामले में कार्रवाई शुरू होगी। जिलाधिकारी ने दादरी और सदर तहसील की राजस्व टीम के निर्देशित किया है। यूपी रेरा आदेश का पालन नहीं करने पर बिल्डरों के खिलाफ आरसी जारी कर रहा है। इस समय सबसे अधिक आरसी गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन के पास है। करीब 300 करोड़ की आरसी की वसूली की जानी है। लोकसभा चुनाव के कारण तहसील की टीम वसूली नहीं कर सकी थी। हालांकि इस बीच बिल्डरों को समय समय पर पैसा जमा करने की चेतावनी दी गई लेकिन वह मनमानी करते रहे। चुनाव खत्म होने के बाद प्रशासन ने बकायेदार बिल्डरों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि दादरी और सदर तहसील की राजस्व टीम को बड़े बकायेदारों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए है। सूची के बाद बिल्डरों को नोटिस भेजा जाएगा। अगर किसी ने पैसा जमा नहीं कराया तो उनका कार्यालय सील करने की कार्रवाई की जाएगी। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अतुल कुमार ने बताया कि मंगलवार से कुछ बिल्डरों से वसूली के लिए टीम भेजी जाएंगी।

ग्रेनो वेस्ट में लो वोल्टेज और ट्रिपिंग से परेशान रहे सोसाइटियों के निवासी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की ज्यादातर सोसाइटियों में लो-वोल्टेज और ट्रिपिंग की समस्या का सामान करना पड़ा। सोमवार सुबह करीब तीन घंटे तक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण नहीं चल सके। कई बार लिफ्ट अटकी। निवासियों ने एनपीसीएल से शिकायत की लेकिन उन्हें स्पष्ट जानकारी नहीं मिली। वहीं एनपीसीएल के मुताकिब ट्रांसमिशन लाइन से ही लो-वोल्टेज की समस्या के कारण ट्रिपिंग हुई। जो कुछ समय बाद सामान्य हो गई। ग्रेनो वेस्ट की सोसाइटियों में सोमवार की सुबह करीब 11 बजे से लो-वोल्टेज और ट्रिपिंग की समस्या शुरू हुई। इको विलेज तीन, अजनारा होम्स, पंचशील ग्रींस वन, इको विलेज-2, ऐस एस्पायर समेत 10 से अधिक सोसाइटियों में लो-वोल्टेज से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण नहीं चल सके। गर्मी के बीच बिजली आपूर्ति बाधित होने से एसी और पंखे नहीं चल सके। ट्रिपिंग के कारण उपकरण को बंद कर दिया गया। लिफ्ट भी अटकी। इस कारण काफी जगह लोगों ने लिफ्ट का प्रयोग करने से परहेज किया। कई घंटे परेशान होने के बाद निवासियों ने एनपीसीएल में शिकायत की, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। दोपहर बाद तक समस्या रही। वहीं एनपीसीएल के प्रवक्ता मनोज कुमार झा का कहना है कि यूपीपीटीसीएल की ट्रांसमिशन लाइन में दिक्कत थी। इस कारण लो-वोल्टेज और ट्रिपिंग की समस्या रही। एनपीसीएल के स्तर पर फॉल्ट नहीं था। करीब तीन घंटे बाद आपूर्ति सामान्य हो गई थी।

ड्रग्स तस्करी में जेल जाने का डर दिखाकर पांच लाख ऐंठे

नोएडा। मनी लांड्रिंग और ड्रग्स तस्करी में शामिल होने का डर दिखाकर साइबर ठगों ने एक व्यक्ति के साथ पांच लाख रुपये की ठगी की। ठगी की जानकारी होने के बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत सेक्टर-58 पुलिस से की। पुलिस ने अज्ञात ठगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर जालसाजों ने ठगी की वारदात को अंजाम दिया। शिकायत में सेक्टर-62 निवासी नवीन कुमार ने बताया कि पांच जून को उनके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आई। कॉलर ने खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताते हुए शिकायतकर्ता से कहा कि उसकी संलिप्तता मनी लांड्रिंग और ड्रग्स तस्करी में है। शिकायतकर्ता को कथित अधिकारी ने जेल जाने का भय दिखाया। बैंक खाता फ्रीज कराने की भी धमकी दी गई। इस मुश्किल से निकालने के एवज में कथित अधिकारी ने शिकायतकर्ता से पांच लाख रुपये की मांग की। जांच की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जालसाजों ने रकम वापस करने का झांसा भी पीड़ित को दिया। शिकायतकर्ता ने जालसाजों द्वारा बताए गए खाते में पांच लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। जब नवीन कुमार पर और पैसे ट्रांसफर करने का दबाव बनाया जाने लगा तो उसे ठगी की आशंका हुई।

ऑपरेशन स्ट्रीट सेफ में 670 लोगों पर एक्शन

नोएडा खुले में शराब पीने वालों के चालान हुए, 1860 लोगों की चेकिंग की

गौतम बुद्ध नगर। गौतमबुद्धनगर में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ ऑपरेशन स्ट्रीट सेफ चलाया गया। इस दौरान 670 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। ये अभियान 3 जोन नोएडा, सेंट्रल नोएडा और ग्रेटर नोएडा में चला।

नोएडा जोन में डीसीपी विद्या सागर मिश्र के मुताबिक, 9 थाना क्षेत्रों के 46 स्थानों पर अलग-अलग चेकिंग की गई। जिसमें 1807 व्यक्तियों को चेक किया गया। 221 व्यक्तियों के विरूद्ध धारा 290 के तहत कार्रवाई की गई।

सेंट्रल नोएडा में डीसीपी सुनिति के मुताबिक, सेन्ट्रल नोएडा जोन के 8 थाना क्षेत्रों के 28 स्थानों पर अलग-अलग चेकिंग की गई। 1860 व्यक्तियों को चेक किया गया। जिसमें 258 व्यक्तियों के विरूद्ध धारा 290 के तहत कार्रवाई की गई। ग्रेटर नोएडा जोन में साद मियां खान ने ग्रेटर नोएडा जोन के 9 थाना क्षेत्रों के 33 स्थानों पर अलग-अलग चेकिंग की गई। जिसमें 963 व्यक्तियों को चेक किया गया। जिसमें 191 व्यक्तियों के विरूद्ध धारा 290 के तहत कार्रवाई की गई।

670 लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई

इस तरह पूरे जिले में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले 670 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इन लोगों को थाने पर लाकर हिदायत भी दी गई कि आगे से कभी भी सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन न करें। इस प्रकार "OPERATION STREET SAFE" के अंतर्गत कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के विभिन्न स्थानों पर चैकिंग करते हुए कुल 4630 व्यक्तियों को चेक करते हुए कुल 670 लोगों के विरूद्ध धारा 290 की कार्रवाई हुई।

ग्रेटर नोएडा में बच्चों के विवाद में चले लाठी-डंडे

मारपीट में 2 महिला समेत 10 लोग घायल, 2 गंभीर हालत में दिल्ली रेफर

जेवर। जेवर में बच्चों के विवाद को लेकर रविवार देर रात दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले और पथराव भी हुआ। जिससे 2 महिला समेत 10 घायल हो गए। घायलों का ग्रेटर नोएडा और दिल्ली के अस्पतालों में इलाज चल रहा है। जिसमें दो की हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। घटना दनकौर कोतवाली क्षेत्र के तालड़ा की है।

एक पक्ष के बादल ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उनके परिवार के कुछ लोग बाहर गए थे। घर पर वह और उनके बड़े भाई समेत 4 लोग मौजूद थे। उसी का फायदा उठाते हुए पड़ोस के ही भारत समेत उनके परिवार

के करीब 12 लोगों ने रंजिश में उनके घर में घुसकर लाठी-डंडों से दोनों भाइयों पर हमला कर दिया। घटना में दोनों भाई लहूलुहान हो गए। दोनों को बचाने पहुंची परिवार की दो महिलाओं पर भी आरोपियों में हमला कर दिया। घटना को अंजाम देकर आरोपी मौके से फरार हो गए।

घायल ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में भर्ती

पीड़ित परिवार का कहना है कि कई दिन पहले बच्चों की विवाद को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई थी। जिसके चलते ही आरोपियों ने उन पर हमला किया है। घायलों को ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां पर बादल के भाई की हालत गंभीर होते देख डॉक्टर ने उसको देर रात दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

पीड़ित पक्ष के बादल ने 12 लोगों के खिलाफ कोतवाली में मामले की शिकायत की है। दूसरे पक्ष के भारत ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि वह रविवार की रात घर पर अकेले थे। उसी दौरान बादल समेत उनके परिवार के करीब 6 लोगों ने उनके घर में घुसकर महिलाएं और उन पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला करते हुए पथराव कर दिया। घटना में पीड़ित भारत और उसके परिवार के करीब 6 लोगों को गंभीर चोट आई है।

जिनका ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। कई दिन पहले हुए विवाद के आरोपियों ने हमला किया है। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह का कहना है कि दोनों पक्षों की शिकायत ले ली गई है। जिसके आधार पर जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा प्राधिकरण ने चलाया बुलडोजर

नोएडा के ग्रामीण इलाकों में धड़ल्ले से अवैध निर्माण हो रहे हैं। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ.लोकेश एम ने अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हुए हैं।

जिसके बाद से प्राधिकरण ने अभियान चलाकर करोड़ों की जमीन को जमींदोज कर दिया। इस अभियान के तहत सोमवार सेक्टर-81 में अवैध निर्माण को मिट्टी में मिलाया गया। यहां पर नोएडा प्राधिकरण ने अपना बोर्ड लगा दिया है।

इस एक्शन के बाद कब्जादारों में हड़कंप मच गया है।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में अर्जित और कब्जा प्राप्त जमीन पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने के लिए सिविल एवं भूलेख विभाग मिलकर कार्रवाई कर रहे हैं।

सेक्टर-81में स्थित भूड़ा और सलारपुर के खसरा 102,103 और 104 की भूमि से अतिक्रमण को हटाया गया है।

ये जमीन प्राधिकरण के मास्टर प्लान के अनुसार नियोजित है। इस जमीन पर प्राधिकरण द्वारा इंडस्ट्री लगाई जाएगी। जमीन की कीमत करोड़ों रुपए आंकी गई है, जो 4200 वर्गमीटर है। यह अभियान अथॉरिटी की तरफ से आगे भी जारी रहेगा।

कम उम्र के बच्चो (7- 9 वर्ष) में प्री-मेनस्ट्रुएशन पर कार्यशाला

आज मज़दूर वर्ग के बच्चो की नि:शुल्क ज्ञानशाला में प्री-मेनस्ट्रुएशन पर एक ख़ास कार्यशाला आयोजित की गई, खासकर 7-9 साल की छोटी बच्चियों के लिए। हालांकि सामान्यत: चक्र 9-12 साल की उम्र में शुरू होता है हालाकि बहुत कम उम्र में माहवारी से कई बच्चे भी काफ़ी डर जाते है लेकिन इस कार्यशाला का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य में, यदि किसी बच्ची को अचानक से ऐसी स्थिति का सामना करना पड़े, तो उन्हें पता हो कि क्या करना है, क्योंकि स्कूलों में यह शिक्षा बहुत जरूरी है। संस्था की संस्थापक रश्मि पांडेय ने बताया कि आजकल छोटे छोटे बच्चो में प्री-मेनस्ट्रुएशन के लक्षण दिखाई दे रहे है जिसका मुख्य कारण ख़ान पान है। जंक फूड में उच्च मात्रा में शक्कर और अस्वस्थ वसा होते हैं, जो हार्मोनल असंतुलन का कारण बनते हैं और छोटे बच्चो के मासिक धर्म को प्रभावित करते हैं।हम मिलकर बच्चों को ऐसी परिस्थितियों से निपटने में मदद करेंगे और उन्हें सिखाएंगे कि यह एक सामान्य बात है जो हर लड़की के साथ होती है, पैरेंट्स को भी अपने बच्चो को इस बारे में बताना ज़रूर चाहिए। ईएमसीटी की सदस्य एवं आहार विशेषज्ञ गरिमा श्रीवास्तव ने बताया कि प्री-मेनस्ट्रुएशन बच्चो में सात साल की उम्र में हो रहा है जिससे बच्चे का शारीरिक विकास प्रभावित हो रहा है बच्चो की अच्छी डाइट और एक्सरसाइज और हाइजीन से काफ़ी हद तक परिस्थिति को सम्भाला जा सकता है, भोजन में प्रोटीन की मात्रा, मौसमी फल इस कमी को पूरा कर सकते है। आज मजदूर वर्ग की महिलाओं से भी माहवारी और स्वच्छता पर ध्यान देने के लिए समझाया, महिलाओं एवं किशोरियों को मासिक धर्म के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। मासिक धर्म में स्वयं को स्वच्छ रखकर गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। गंदा कपड़े आदि के प्रयोग से संक्रमण होने का डर बना रहता है।

दिल्ली में पढ़ रहे उत्तर प्रदेश के छात्रों के लिए छात्रावास निर्माण कराने के संबंध में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को डूसू सह सचिव ने सौंपा ज्ञापन

दिल्ली के शिक्षण संस्थानों में पढ़ रहे उत्तर प्रदेश के छात्रों की बेहतरी अकादमिक भविष्य के लिए छात्रावास का जल्द से जल्द हो निर्माण

नई दिल्ली - देश के प्रतिष्ठित दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र संघ के सह सचिव सचिन बैसला ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर दिल्ली के भिन्न भिन्न शिक्षण संस्थानों में पढ़ रहे उत्तर प्रदेश के छात्रों के लिए छात्रावास निर्माण करने के संबंध में ज्ञापन सौंपा।

ज्ञात हो कि दिल्ली के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पढ़ रहे उत्तर प्रदेश के छात्रों की संख्या और राज्यों की तुलना में ज्यादा है तथा इन शिक्षण संस्थानों में छात्रावासों की संख्या काफ़ी कम है। ऐसे में छात्रों को आवास के लिए दर - बदर भटकना पड़ता है जिस कारण उन छात्रों की शिक्षा बुरी तरह से प्रभावित होती है। इस विषय पर संज्ञान लेते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के सह सचिव सचिन बैसला ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से मुलाकात कर ऐसे छात्रों के लिए जल्द से जल्द छात्रावास निर्माण करने की बात रखी तथा इस संदर्भ में मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी सौंपा।

ज्ञापन सौंपते वक्त उपस्थित दिल्ली में पढ़ रहे किसी भी राज्य के छात्रों की सबसे बड़ी समस्या आवास की समस्या है। उसमें भी दिल्ली में पढ़ने वाले उत्तर प्रदेश के छात्रों की संख्या ज्यादा है। ऐसे में आज हम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से मिलकर इस विषय को रखा तथा उत्तर प्रदेश के छात्रों के लिए दिल्ली में छात्रावास बनाने के संबंध में ज्ञापन भी सौंपा। आने वाले समय में हम ऐसे ही छात्र हित के लिए तत्पर होकर उनकी समस्याओं के निराकरण का हर संभव प्रयास करते रहेंगे।

ज्ञापन सौंपते वक्त उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन विभाग मंत्री दयाशंकर सिंह भी उपस्थित रहे।

नोएडा में थूक मिलाकर बेच रहे थे जूस, समुदाय विशेष के दो आरोपी गिरफ्तार

नोएडा के सेक्टर 121 में समुदाय विशेष के दो आरोपियों को थूक मिलाकर जूस बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि कथित घटना शनिवार शाम सेक्टर 121 में गढ़ी चौखंडी गांव के पास स्थित जूस की एक दुकान पर हुई, जब स्थानीय निवासी सतीश भाटिया वहां जूस पीने गए थे। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि रविवार सुबह स्थानीय फेज 3 पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई और बाद में सेक्टर 121 में स्थित क्लियो काउंटी सोसाइटी के पास से दोनों आरोपियों- जमशेद (30) और सोनू उर्फ साहबे आलम को पुलिस हिरासत में ले लिया गया। पुलिस को दी शिकायत में क्षितिज भाटिया ने बताया कि वह सेक्टर-121 स्थित क्लियो काउंटी सोसाइटी में रहते है। वह शनिवार शाम पत्नी के साथ सोसाइटी के गेट नंबर एक के बाहर गन्ने का जूस बेचने वाले के पास गए थे। वहां दो ग्लास गन्ने के जूस का ऑर्डर किया तो जूस बेचने वाला ग्लास में तीन से चार बार थूककर जूस दे रहा था।

नोएडा में चोरों के गिरोह का खुलासा, 6 गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर। सेंट्रल नोएडा की ईकोटेक 3 थाना पुलिस ने शातिर चोरों के गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने इस गिरोह का खुलासा करते हुए 6 चोरों को गिरफ्तार किया है। इन चोरों के कब्जे से लूट और चोरी के 15 मोबाइल फोन, 23000 रुपए की नगदी और अन्य चोरी का सामान बरामद किया है।

इकोटेक 3 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस से प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर कुलेसरा मे हिन्डन नदी के

किनारे से चोरी व लूट करने वाले 5 लोगों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से लूट का 1 मोबाइल फोन व चोरी किए सामान को बेचकर प्राप्त किए 23000 रुपए नगद और आभूषण बरामद हुए। आरोपियों की निशानदेही पर उनके एक अन्य साथी शिवम को ग्राम लखनावली से चोरी व लूट के 14 मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इस गिरोह के अरुण, अनुराग, गौरव, साहिल, आदित्य व शिवम को गिरफ्तार किया। ईकोटेक 3 थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपी शातिर किस्म के अपराधी है। ये रास्ते चलते आम लोगों को डरा धमकाकर उनका मोबाइल फोन व रुपये आदि छीन लेते थे। यह लोग दिन मे सुनसान मकानो की रेकी करते थे और रात्रि के समय मौका मिलते ही उन मकानो मे चोरी कर मकान से नगदी व कीमती आभूषण आदि चोरी कर लेते थे। फिलहाल सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है।

डिवाइडर से टकराकर कार पलटी, पति-पत्नी समेत 3 की मौत

उज्जैन में दर्शन के बाद यूपी लौट रहा था परिवार; गुना में हादसा

गुना। उज्जैन में महाकाल दर्शन के बाद लौट रहे परिवार की कार गुना में डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इसमें दंपती और उनके साथ आए पड़ोसी युवक की मौत हो गई। वहीं कार चला रहा दंपती का बेटा घायल हैं।

हादसा बीनागंज में नेशनल हाईवे-46 पर सोमवार सुबह 5.30 बजे हुआ। ललितपुर जिले के गाड़ियां गदयाना के रहने वाले अशोक (65) पुत्र अशर्फीलाल श्रीवास्तव, पत्नी विनीता श्रीवास्तव और बेटे अभिषेक (38) के साथ उज्जैन महाकाल दर्शन करने के लिए गए थे। साथ में पड़ोसी मनोज पुत्र गौरीशंकर पांडे भी थे। सभी कार (यूपी32 एचएच 2471) से लौट रहे थे।

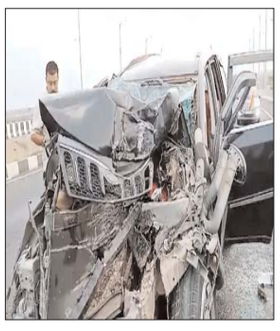

एयरबैग खुलने से बची दंपती के बेटे की जान

बीनागंज चौकी प्रभारी स्ढ्ढ नीरज लोधी ने बताया कि हादसे में अशोक, पत्नी विनीता, पड़ोसी मनोज की मौत हो गई। एयरबैग खुलने से दंपती के बेटे अभिषेक की जान बच गई। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया।

दूसरे हादसे में उज्जैन जा रहे 5 श्रद्धालु घायल

दूसरा हादसा जंजाली इलाके सोमवार सुबह 5.30 बजे हुआ। लखनऊ से उन्नाव होते हुए उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन करने जा रहे परिवार की कार भी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। एक बस कार को ओवरटेक कर आगे जाकर रुक गई, इतने में पीछे से कार जा घुसी। राघौगढ़ थाने की जंजाली पुलिस चौकी अंतर्गत पार्वती नदी के पास यह हादसा हुआ।

आचमन श्रीवास्तव ने बताया कि वह, पिता प्रेम नारायण पुत्र हरि नारायण श्रीवास्तव, मां विभा श्रीवास्तव, बेटा अनुग्रह श्रीवास्तव, भांजी सुष्मिता पुत्री राजेंद्र प्रकाश श्रीवास्तव के साथ उज्जैन जा रहे थे। घायलों को गो सेवक कुंभराज अस्पताल ले गए। यहां से गुना जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। प्रेम नारायण श्रीवास्तव की हालत ज्यादा गंभीर बताई जा रही है।

उन्नाव में हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

उन्नाव। उन्नाव के गंगाघाट कोतवाली के हाजीपुर चौकी क्षेत्र के बसधना गांव निवासी एक युवक की बीते शुक्रवार दोपहर पड़ोस के गांव के पास हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने नामजद आरोपियों में से दो को जेल भेज दिया है। जबकि अन्य की गिरफ्तारी के लिए एसओजी समेत तीन टीमें लगाई गई हैं। जेल भेजे गए आरोपियों को रिमांड पर लिया जाएगा। वहीं पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर आलाकत्ल बरामद किया है। हाजीपुर चौकी क्षेत्र के बसधना निवासी सुखदेव के बेटे आशीष (22) की उद्दा खेड़ा गांव के पास लाठी-डंडे और धारदार हथियार से दिन-दहाड़े हत्या कर दी गई थी। शनिवार को पोस्टमॉर्टम हाउस में परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा काटा था। यहां तक जाम भी लगाया था। एसपी के निर्देश पर इंस्पेक्टर रामफल प्रजापति ने टीम के साथ देर रात तक कई जगह ताबड़तोड़ छापेमारी की। जिस पर पुलिस ने कनिकामऊ मोड़ के पास से हत्या के मुख्य आरोपी राहुल और कमलेश लोधी को गिरफ्तार किया। जहां उनकी निशान देही पर हत्या में प्रयुक्त किए गए दो बांस के डंडे भी बरामद किए।

पीलीभीत में प्रसूता की मौत, सदमे में गई पति की जान

परिजन बोले- डॉक्टरों ने गलत ऑपरेशन किया, नवजात के सिर से उठा माता-पिता का साया

पीलीभीत। पीलीभीत में पत्नी की मौत से सदमे में आए पति की 24 घंटे के भीतर मौत हो गई। एक परिवार के दो लोगों की मौत से गांव में सन्नाटा पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

परिजनों का आरोप है कि निजी अस्पताल में गलत ऑपरेशन की वजह से विवाहिता की मौत हो गई थी। मामला पूरनपुर थाना क्षेत्र के पिपरा मुजफ्फर का है।

यहां की रहने वाली रीता देवी को प्रसव के लिए परिजनों ने पूरनपुर के रामा नर्सिंग होम में भर्ती कराया था। परिजनों का आरोप है कि प्रसूता का अस्पताल में ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के दौरान महिला की मौत हो गई।

जबकि नवजात बच गया। महिला की मौत की जानकारी मिलने के बाद रविवार को परिजनों ने शव को अस्पताल के बाहर रखकर प्रदर्शन किया और जमकर हंगामा किया भी किया गया। घटना के बाद स्वास्थ्य महकमे ने अस्पताल को सील कर दिया।

गांव में सन्नाटा पसरा

पत्नी की मौत से सदमे में आए महिला के पति नन्हेंलाल की भी रविवार देर रात घर में ही मौत हो गई। महिला की मौत के बाद पति की मौत की जानकारी लगने के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। 24 घंटे के अंदर पति पत्नी की मौत हो जाने के कारण गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि अस्पताल की लापरवाही और प्रशासन की अनदेखी के चलते नवजात बच्चे के सिर से मां और पिता का साया उठ गया।

तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर

परिजनों की शिकायत के आधार पर महिला का गलत ऑपरेशन करने के मामले में पूरनपुर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पूरनपुर थाना अध्यक्ष ने बताया अस्पताल में महिला की मौत हुई थी। शिकायत के आधार पर कार्रवाई की गई है।

आगरा में गर्लफ्रेंड ने कराई एक्स ब्वॉयफ्रेंड की हत्या

एजेंसी

आगरा। आगरा में गर्लफ्रेंड ने अपने एक्स ब्वॉयफ्रेंड की हत्या की थी। उसने अपने पुराने प्रेमी को पहले बहाने से मिलने के लिए बुलाया और फिर नए प्रेमी और दोस्तों के साथ मिलकर बेसबॉल के डंडे से पीट-पीटकर मार डाला। फिर उसके सिर में बीयर की बोतल भी फोड़ी।

बता दें कि मलपुरा क्षेत्र के रोहता में शनिवार को युवक का शव मिला था। युवक के सिर में चोट के निशान थे। पुलिस ने जांच के बाद रविवार को 24 घंटे में हत्या का खुलासा करते हुए प्रेमिका और उसके 4 साथियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया।

डीसीपी वेस्ट सोनम कुमार ने बताया- युवक की शिनाख्त गाजियाबाद निवासी ब्रजवीर के रूप में हुई थी। जांच में कुछ लोगों ने बताया कि एक महिला और अन्य बाइक सवार लोगों को भागते देखा था। पुलिस ने छानबीन की। सीसीटीवी कैमरे और अन्य पहलुओं की छानबीन के बाद सौंथिया एस्टेट कॉलोनी निवासी कविता चाहर का नाम सामने आया।

मां ने 4 साल के बेटे को पीट-पीटकर मार डाला

प्रयागराज में पिता बोला- वो दोनों बेटों से नफरत करती थी, गला दबाकर सोने चली गई

प्रयागराज। प्रयागराज में सौतेली मां ने 4 साल के बच्चे की पीट-पीटकर हत्या कर दी। महिला ने पहले बेटे को जमकर पीटा, इसके बाद उसका गला दबा दिया। सौतेली मां के हाथों मासूम की हत्या के बाद गांव हड़कंप मच गया। लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। मृतक बच्चे के पिता की तहरीर के आधार पर महिला के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया। अजय ने पुलिस को बताया- उसकी पत्नी दोनों बेटों से नफरत करती थी। छोटे बेटे कान्हा को हर दूसरे दिन पीटती थी।

अजय के आरोपों के बाद मौके से सौतेली मां को गिरफ्तार कर लिया गया। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने कई एविडेंस कलेक्ट किए। बच्चे के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

पहली पत्नी कहीं चली गई, फिर की दूसरी शादी

पूरा मामला जिले के नगर पंचायत शंकरगढ़ का है। यहां हहज्जी टोला, वार्ड नंबर-10 में अजय कुमार नट पुत्र स्व. मेवालाल के बेटे कान्हा की हत्या कर दी गई। अजय ने पुलिस को दी तहरीर में बताया- मेरी पत्नी ने छोटे पुत्र कान्हा की पीट-पीट कर हत्या कर दी। मेरी पहली पत्नी सविता लगभग 2 साल पहले कहीं चली गई। सविता से मुझे दो पुत्र हैं। कृष्णा (8) और कान्हा (4)। इसकी देखभाल के लिए मैंने दूसरी शादी गुड़िया निवासी थाना रामपुर सतना से की थी।

बेटों से नफरत करती थी गुड़िया

अजय ने पुलिस को बताया- गुड़िया कान्हा से बहुत नफरत करती थी। वह पहले भी उसे पीट चुकी थी। रविवार को भी गुड़िया ने गुस्से में कान्हा को जमकर पीटा। वह जख्मी होकर चीखने लगा, तो गुड़िया ने उसका गला दबा दिया।

फिर, जब वो मर गया तो शव कमरे के बाहर आंगन में छोड़कर चुपचाप सोने चली गई।

अजय ने कहा- मैं मजदूरी करता हूं। जब शाम को घर लौटा, तो देखा कि कान्हा का शव पड़ा हुआ है। मुझे उसी समय शक हो गया कि गुड़िया ने ही उसके साथ मारपीट की है। उसके शरीर से खून भी निकल रहा था।

प्रेमिका को गोली मारकर प्रेमी ने किया सुसाइड

किचन में मिले शव, लड़के की 28 दिन बाद होनी थी शादी, ऑनर किलिंग का शक

मेरठ। मेरठ में एक युवक ने अपनी प्रेमिका की उसके घर में गोली मारकर हत्या कर दी। फिर खुद को भी गोली मारकर सुसाइड कर लिया। दोनों के शव किचन में मिले। हालांकि, युवक के परिजनों ने इसे ऑनर किलिंग बताया है। वारदात रविवार, (16 जून) देर रात की है। सूचना पर एसपी देहात कमलेश बहादुर मौके पर पहुंचे। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। मामला भावनपुर थाना क्षेत्र के पचगांव अमरसिंहपुर का है। गांव में तनाव है। एहतियातन फोर्स तैनात की गई है। पुलिस दोनों के परिजनों से पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि युवक और युवती के बीच तीन साल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। युवक की जुलाई में शादी होनी थी।

विधि, मृतका | मनीष, मृतक

15 जुलाई को होनी थी मनीष की शादी

पचगांव अमरसिंहपुर गांव के रहने वाले श्रीचंद का बेटा मनीष मेडिकल स्टोर चलाता था। मनीष के घर से 100 कदम की दूरी पर विधि नाम की लड़की रहती थी।

विधि के पिता जय भगवान प्रिंटिंग प्रेस चलाते हैं। मनीष और विधि के बीच तीन साल से अफेयर चल रहा था। लेकिन, मनीष की शादी उसके परिजनों ने गोलाबढ़ में तय कर दी थी। 15 जुलाई को बारात जानी थी। जानकारी के अनुसार, मनीष प्रेमिका विधि से मिलने रविवार रात डेढ़ बजे उसके घर पहुंचा।

वहां किचन के अंदर किसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी हुई, तभी मनीष ने विधि को गोली मारी। फिर खुद आत्महत्या कर ली।

नहाने के दौरान 2 भाई गंगा में डूबे

संभल। संभल में रविवार को पशु को नहलाने के लिए गंगा गए दो भाई डूब गए। गोताखोर ने एक भाई को समय रहते बचा लिया। जबकि दूसरा भाई लापता हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद थाना पुलिस और एसडीएम गुन्नौर मौके पर पहुंचे। देर रात तक उसका कुछ पता नहीं चला तो आज सुबह एनडीआरएफ की टीम घटनास्थल पहुंची और युवक की तलाश कर रही है, लेकिन कोई सफलता हाथ नहीं लग रही। मामला थाना रजपुरा क्षेत्र के जिजौंडा डांडा गंगा घाट का है। यहां के रहने वाले भगवती सिंह के बेटे पंकज उर्फ छोटू और सुमित गंगा में पशुओं को नहलाने के लिए गांव में बने कच्चे घाट पर गए थे।

20 से 25 के बीच मानसून देगा यूपी में दस्तक, बाढ़ से निपटने की तैयारी

लखनऊ। भीषण गर्मी और लू से परेशान प्रदेशवासियों के लिए राहत भरी खबर सामने आयी है। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार प्रदेश में 20 से 25 जून के बीच मानसून आने की संभावना है। ऐसे में योगी सरकार मानसून को लेकर अलर्ट हो गयी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्च स्तरीय बैठक कर मानूसन की सक्रियता के बाद बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए अधिकारियों को खाका तैयार करने का आदेश दिया था ताकि प्रदेशवासियों और उनके मवेशियों को समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा सके। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरुप बाढ़ की स्थिति से निपटने की तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं। बाढ़ से निपटने के लिए प्रदेश को तीन भागों में बांटा गया है। इसमें अतिसंवेदनशील श्रेणी में 29, संवेदनशील श्रेणी में 11 और सामान्य श्रेणी में 35 जनपद शामिल हैं। इन जिलों में विशेष निगरानी के लिए टीमों का गठन कर अलर्ट कर दिया गया है, जिसमें सिंचाई विभाग, कृषि विभाग और पशुपालन विभाग के अधिकारी के साथ कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पीएसी और मौसम विभाग भी अलर्ट मोड पर है। राहत आयुक्त ने बताया कि बाढ़ से निपटने के लिए एनडीआरएफ की सात टीमें, एसडीआरएफ की 18 टीमें और पीएसी की 17 टीमों की प्रीपोजीशनिंग की जा चुकी है।

सहारनपुर में डीआईजी ने 37 सब इंस्पेक्टर के किए ट्रांसफर

सहारनपुर। लोकसभा चुनाव के बाद पुलिस विभाग में बड़े पैमाने पर ट्रांसफर किए गए है। सहारनपुर के डीआईजी अजय साहनी ने सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली में सब इंस्पेक्टरों के ट्रांसफर किए है। डीआईजी ने कुल 37 पुलिसकर्मियों को इधर-उधर किया है।

सहारनपुर के 13 सब इंस्पेक्टर, मुजफ्फरनगर से 23 और शामली से दो सब इंस्पेक्टर के जिले बदले गए हैं। वहीं एसएसपी ने भी पुलिस लाइन में तैनात बीनू सिंह को थाना मिर्जापुर का चार्ज दिया है। ये थाना कई माह से खाली चल रहा था।

डीआईजी अजय साहनी ने सहारनपुर से अरविंद कुमार, बिजेंद्र कुमार, दीपचंद, इंद्रसैन, करुणा चौधरी, लोकेश कुमार, पुष्पेंद्र कुमार, विपिन कुमार, स्वाति रानी, राम किशन सिंह और सुनील सिंह वर्मा को शामली भेजा है।

वहीं अशोक कुमार और दीपक कुमार को मुजफ्फरनगर ट्रांसफर किया है। मुजफ्फरनगर से गीता चौधरी, इंतजार अहमद, नेमपाल सिंह, रणपाल सिंह, राज कुमार राणा, सुदेश राज, शैलेंद्र सिंह, अक्षय शर्मा, अनिल कुमार, छाया रानी, राधेश्याम यादव, सत्यवीर सिंह, विनोद कुमार,

अमरपाल सिंह, रण सिंह, राजेंद्र कुमार, प्रेमचंद्र और नरेंद्र पाल सिंह का ट्रांसफर सहारनपुर किया गया है।

जबकि जितेंद्र सिंह, ओमकार नाथ पांडेय, राजेश सिंह यादव और अनिल कुमार को शामली भेजा गया है। शामली से श्यामवीर सिंह को सहारनपुर और कृष्णपाल सिंह को मुजफ्फरनगर भेजा गया है।

जबकि सहारनपुर एसएसपी डॉ.विपिन ताडा ने भी इंस्पेक्टर बीनू सिंह को मिर्जापुर थाने की कमान सौंपी है। वो पुलिस लाइन में तैनात थे। हालांकि 2024 लोकसभा चुनाव से पहले इंस्पेक्टर बीनू सिंह को शामली भेज दिया था। जो लोग तीन साल से तक जिले में रह चुके थे। डीआईजी द्वारा उनके ट्रांसफर किए गए थे। लेकिन एसएसपी ने कुछ थाना इंचार्ज को रिलीफ नहीं किया था। लेकिन चुनाव नजदीक आते ही इन इंस्पेक्टरों को रिलीफ किया गया था।

कर्ज में डूबे कैफे संचालक ने की आत्महत्या

अलीगढ़। अलीगढ़ के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र स्थित रेलवे रोड पर आर्थिक तंगी और कर्जे से परेशान एक कैफे संचालक ने रविवार रात आत्महत्या कर ली। अपनी दुकान के अंदर ही उन्होंने फंदा लिया, जिससे उनकी मौत हो गई। जब ग्राहक उनकी दुकान पर पहुंचे तो अंदर दुकानदार का शव फंदे से लटका हुआ था। जिसके बाद ग्राहकों की चीख निकल गई और उन्होंने आसपास के दुकानदारों को इसकी जानकारी दी। जब पड़ोसी दुकानदारों ने अंदर जाकर देखा तो कैफे संचालक की मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलने पर पहुंची सिविल लाइंस पुलिस ने तत्काल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। चंदनिया हाउस महावीर पार्क निवासी धर्मेंद्र मनूजा उर्फ मोंटी (55) पिछले लगभग 30 साल से रेलवे रोड पर साइबर कैफे चला रहे थे। हर दिन की तरह रविवार शाम को भी वह अपनी दुकान पर ही थे। पड़ोसी दुकानदारों ने बताया कि शाम को वह दुकान के बाहर टहल भी रहे थे। इसके बाद वह अपनी दुकान के अंदर चले गए और फिर बाहर नहीं निकले। जिसके काफी देर बाद कुछ ग्राहक उनकी दुकान पर इंटरनेट से जुड़ा काम कराने आए थे।

अमन चैन की दुआ के साथ धूमधाम से मनाया गया बकरीद का त्योहार

ललितपुर। जिले में मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा त्याग और बलिदान का पर्व ईद उल अजहा यानी बकरीद का पहला दिन आज ईदगाहों में सुबह-सुबह नमाज के साथ शुरू हो गया। इस दौरान लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर बधाई दी। इस्लाम धर्म के कुर्बानी के त्योहार ईद उल अजहा यानी बकरीद को आज सोमवार को पूरे देश भर में बड़े धूमधाम से मनाया गया है। ललितपुर जनपद शहर के ईदगाह में बड़ी तादाद में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक साथ बकरीद की नमाज पढ़ी।

शहर पेश इमाम हाफिज मुबीन साहब ने देश में अमन चैन की दुआ मांगी। दर असल, अहले शहर के लोग सुबह से तैयार होने के बाद मुस्लिम समुदाय के लोग ईदगाहों में पहुंचे और नमाज अदा की। उसके बाद एक दूसरे से गले मिलकर ईद उल अजहा त्योहार की बधाई दी।

इस दौरान बच्चे, युवा और बुजुर्गों में खासा उत्साह दिखा। वहीं, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था का भी पुख्ता इंतजाम रहा है। दर असल, ईदगाहों में सुबह-सुबह नमाज के साथ बकरीद शुरू हो गई है। और यह तीन दिन तक चलती है। त्याग और बलिदान के त्योहार ईद उल अजहा यानी बकरीद को लेकर शहर भर की सभी मस्जिदों, ईदगाह पर व ग्रामीण क्षेत्र की मस्जिदों में व ईदगाहों पर नमाज पढ़ी गई है।

ललितपुर जिले में मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा त्याग और बलिदान का पर्व ईद उल अजहा यानी बकरीद का पहला दिन आज ईदगाहों में सुबह-सुबह नमाज के साथ शुरू हो गया। वहीं, इस पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखा। नमाज स्थल से लेकर शहर के विभिन्न चौक चौराहों पर पुलिस की तैनाती की गई है।

जिसकी खुद ललितपुर पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक ने शहरी क्षेत्र के विभिन्न नमाज के स्थलों पर घूमकर जायजा लिया। इस दौरान में सभी जगहों पर पुलिस और प्रशासन का भी पहरा रहा।

वहीं, एक दिन पूर्व ही प्रशासन ने सोशल मीडिया पर भी भड़काऊ पोस्ट साझा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। साथ ही सभी मुस्लिम समुदाय के लोगों को बधाई दी और शांति व्यवस्था के बीच में बकरीद पर्व मनाए जाने की अपील की। सदर एसडीएम, चंद्रभूषण सिंह, उपजिलाधिकारी राघवेंद्र शर्मा, सदर क्षेत्राधिकारी अभय नारायण राय कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शशि भूषण सहित कई अधिकारी मौके पर मौजूद रहे हैं।

शार्ट न्यूज

चोरी के मोबाइल संग दो चोर गिरफ्तार

ललितपुर। जीआरपी ने चेकिग के दौरान सोमवार को रेलवे स्टेशन से दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक रेलवे झांसी द्वारा चलाये जा रहे अभियान चेकिग संदिग्ध व्यक्ति वस्तु एवं गिरफ्तारी व बरामदगी चोरी लूटी गयी संपत्ति के क्रम में पुलिस उपाधीक्षक रेलवे झाँसी के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी ललितपुर के नेतृत्व में थाना जीआरपी ललितपुर पुलिस द्वारा रेलवे स्टेशन ललितपुर से एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया गया जिनके कब्जे से चोरी किये हुये 02 अदद मोबाइल फोन बरामद हुये। जो कि थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 212/23 व 24/24 धारा 380/411 से सम्बन्धित है। अभि0 गणो को मान0 न्यायालय ललितपुर के समक्ष पेश किया जा रहा है ।गिरफ्तारी,बरामदगी करने वाली टीम उ0नि0 लालबहादुर सिंह थाना जीआरपी उ0नि0 राजेश सिंह कां0 साहब सिंह आदि शामिल रहे।

जंगल में लगी आग, उपनिरीक्षक योगेश निर्माण ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

ललितपुर। तालबेहट, गर्मी बढ़ने के साथ ही जंगलों में आग लगने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को तालबेहट तहसील की ग्राम वर्मा बिहार के जंगल में दोपहर दो बजे भीषण आग लग गई। तेज हवाओं के साथ आग गांव तक पहुंच गई। आग की तेज लपटों को देखते हुए गांव वाले दूर से नजारा देखते रहे। वहीं उप निरीक्षक योगेश कुमार निर्माण द्वारा कड़ी मुस्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग को आबादी क्षेत्र की ओर बढ़ता देख स्थानीय ग्रामीण तमाशा बीन बने देखते रहे । लेकिन किसी भी ग्रामीण के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास नहीं किया। वहीं पर उपनिरीक्षक योगेश कुमार निर्माण द्वारा निजी संसाधनों से आग बुझाने में लगे रहे। आग की लपटें तेज होने के चलते उपनिरीक्षक योगेश कुमार निर्माण को आग बुझाने में कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा। उपनिरीक्षक को देर शाम जंगल की आग बुझाने में सफलता मिली।

मैनपुरी में नहर में डूबने से युवक की मौत

मैनपुरी। मैनपुरी में बाइक से ससुराल से लौट रहा युवक रास्ते में नहर में नहाने लगा। इस दौरान गहरे पानी में जाने से उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की जानकारी परिजनों को हुई तो परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नहर से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मामला घिरोर थाना क्षेत्र भमोरी रेलवे के लोहिया पुल के पास का है। बरनाहल थाना क्षेत्र के गांव डालूपुर निवासी रामू (22) पुत्र श्याम बाबू अपनी बाइक से घिरोर थाना क्षेत्र के गांव में ससुराल में गया था। जहां से वह रविवार को अपने घर के लिए लौट रहा था। जैसे ही वह रास्ते में मिलने वाली नहर के पुल पर पहुंचा वैसे ही उसको गर्मी के कारण नहर में नहाने की इच्छा हुई तो उसने बाइक को खड़ी करके नहर में छलांग लगा दी। नहर में पानी अधिक होने के कारण वह डूब गया। उसे डूबता देख आसपास के लोगों ने आकर उसे बचाने का भी प्रयास किया, लेकिन वह नहीं बचाया जा सका और तेज पानी के बहाव में बह गया। ग्रामीण ने बाइक के कागजों से उसकी पहचान करा कर उसके परिजनों को सूचना दी। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उसके शव की नहर में खोजबीन शुरू की तो शव वहां से काफी दूरी पर गांव जवापुर के पुल के पास उसका शव बरामद हो गया।

अमेठी में हज भेजने के नाम पर ठगी

अमेठी जिला। अमेठी में हज भेजने के नाम पर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। जहां एक कांग्रेस नेता ने चार लोगों को हज भेजने के लिए एक किसान नेता से 18 लाख रुपए ठग लिए। किसान नेता की शिकायत के बाद कमरौली थाने में कांग्रेस नेता पर 420 419 और 406 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस अब पूरे मामले की जांच में जुट गई है। आरोपी कांग्रेस नेता सोशल वेलफेयर ट्रस्ट चलता है और इसी ट्रस्ट के माध्यम से लोगों को मक्का भेजता है। इसके अलावा कांग्रेस नेता नर्सिंग कॉलेज का भी संचालन करता है। दरअसल अमेठी के कमरौली थाना क्षेत्र के इंडस्ट्रियल एरिया में रहने वाला कांग्रेस नेता. पूर्व विधानसभा प्रभारी जगदीशपुर. खुर्शीद अजीज अल अजीज सोशल वेलफेयर के नाम से एक ट्रस्ट चलाता है और इसी ट्रस्ट के माध्यम से लोगों को हज के लिए मक्का भेजता है। बाजार शुकुल थाना क्षेत्र के महोना पश्चिम गांव के रहने वाले किसान नेता इमानुल्ला ने इसी कांग्रेस नेता के माध्यम से अपने माता पिता और बुआ को हज के लिए भेजा। एयरपोर्ट पर एक दलाल ने इन्हें मक्का का टूरिस्ट वीजा दिया, जबकि इन्हें मक्का जियारत करने हज वीजा पर जाना था।

बांदा में युवक का नर कंकाल मिला

बांदा। बांदा में 11 दिन पहले लापता युवक का नर कंकाल मिला है। ग्रामीण जब खेतों की ओर निकले तो उन्हें कोई कंकाल पड़ा हुआ मिला। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पहचान उसकी मां ने शव के कपड़े और चप्पल देख कर की है। पैलानी थाना क्षेत्र के खरेई गांव के मजरा उसर डेरा का रहने वाला 18 वर्षीय वरदानी पुत्र स्वर्गीय संतराम निषाद आज से 11 दिन पहले कहीं लापता हो गया था। इसकी सूचना उसकी मां मीरा देवी ने स्थानीय पुलिस चौकी और थाने में सूचना दी थी, जिसमें आठ जून को थाने में गुमशुदी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। वहीं, आज गांव के संतु और मिलन दवा खोजने जड़ी बूटी खोजने के लिए जंगल की ओर जैसे ही पहुंचे तभी देखा तो एक सुनसान स्थान में नर कंकाल पड़ा हुआ था। उसने गांव के लोगों को यह जानकारी दी। वहीं, मीरा को जानकारी होने पर वह मौके पर देखने गई तो वहां पड़े हुए अपने बेटे के चप्पल कपड़ा टी-शर्ट वह हाफ लोअर और झोला को देखकर वह रोने लगीं। उन्होंने अपने बेटे के होने की पुष्टि की।

संभल की गंगा में डूबे हाथरस के पति-पत्नी

संभल। संभल में राजघाट गंगा घाट पर स्नान करते समय पति-पत्नी तेज बहाव के कारण गंगा में बह गए। चीख-पुकार मची तो लोग एकत्र हो गए और मौके पर पुलिस भी आ गई। गोताखोरों ने समय रहते पति को बचा लिया जबकि कई घंटे के बाद महिला का देर शाम शव मिला, परिजनों में कोहराम मच गया और देर रात परिजन महिला के शव को बिना पुलिस कार्रवाई के ही घर ले गए। मृतक महिला हाथरस की रहने वाली है। गंगा दशहरे पर स्नान करने के लिए दोपहर 03 बजे जनपद हाथरस का एक परिवार जनपद संभल के थाना गुन्नौर क्षेत्र के कस्बा बबराला के राजघाट गंगा घाट पर आया था। हाथरस के रेलवे रोड निवासी नीरज और उसकी 35 वर्षीय पत्नी पूनम दोनों गंगा में स्नान कर रहे थे, इस दौरान गंगा में तेज बहाव के कारण पति पत्नी बह गए, चीख-पुकार मची तो लोग एकत्र हो गए और मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। गोताखोरों की मदद से पति नीरज को सुरक्षित गंगा से बाहर निकाल लिया गया, जबकि उसकी पत्नी पूनम का कुछ पता नहीं चला। गोताखोर कई घंटे तक महिला को गंगा में तलाश करते रहे लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी और देर शाम जाकर गुन्नौर क्षेत्र के गांव फरीदपुर स्थित चार नंबर बंद के पास महिला का शव गंगा में उतरता हुआ मिला।

नासा कर रहा सुपर स्टार समूह पर अध्ययन

वाशिंगटन । नासा के चंद्र एक्स-रे ऑब्जरवेटरी और नासा के दूसरे टेलीस्कोप से मिले नए डेटा के की मदद से पृथ्वी के सबसे बड़े और सबसे करीब सुपर स्टार समूह पर वैज्ञानिक अध्ययन कर रहे हैं। ग्रुप को वेस्टरलंड 1 नाम दिया गया है। इन अध्ययनों की मदद से खगोलविदों को तारों के निर्माण की प्रकिया को समझने में मदद मिलेगी। यह एक्सटेंडेड वेस्टरलंड 1 और 2 ओपन क्लस्टर सर्वे (इकोस्स) नाम की परियोजना से पहला सार्वजनिक रूप से जारी किया डाटा है। इकोस्स का नेतृत्व में इटली के पलेर्मो में स्थित एक संस्थान कर रही है। चंद्र ऑब्जरवेटरी ने इकोस्स के हिस्से के रूप में वेस्टरलंड 1 का लगभग 12 दिनों तक अध्ययन करने के बाद यह डाटा साझा किया है। नई तस्वीर में चंद्र का डाटा और नासा के हबल स्पेस टेलीस्कोप से पिछला डाटा शामिल है। चंद्र के एक्स-रे से क्लस्टर में नए तारे और गैसों का पता चलता है। युवा तारे ज्यादातर सफ़ेद और गुलाबी रंग के दिखाई देते हैं, जबकि गर्म गैस गुलाबी, हरे और नीले रंग में दिखाई देती है। हबल के डेटा में कई तारे पीले और नीले रंग के डॉट्स के रूप में दिखाई देते हैं। एक दिलचस्प खोज यह है कि वेस्टरलंड 1 के केंद्र में चार प्रकाश वर्ष के दायरे में 1,075 तारे हैं। खगोलविदों का मानना है कि यह क्लस्टर के गठन और विकास को समझने और इसके मास का बेहतर अनुमान लगाने के लिए जरूरी है।

क्या होते हैं सुपर स्टार क्लस्टर?

वर्तमान में, हमारी गैलेक्सी में हर साल केवल कुछ ही तारे बनते हैं। हालाँकि, अतीत की बात करे तब मिल्की-वे लगभग 10 बिलियन साल अपने चरम पर था जब यहां हर साल दर्जनों या सैकड़ों तारे बनते थे। इसमें से ज्यादातर घटनाएं विशाल क्लस्टर्स में हुईं, जिन्हें सुपर स्टार क्लस्टर के नाम से जाना जाता है। इन्हीं में से एक को वेस्टरलंड 1 नाम दिया गया है। ये क्लस्टर औरों की तुलना में नए हैं और इनका वजन सूरज के वजन से 10,000 गुना ज्यादा है। वेस्टरलंड 1, 3 मिलियन से 5 मिलियन साल पुराना है। वेस्टरलंड 1 मिल्की वे में बचा हुआ सबसे बड़ा सुपर स्टार क्लस्टर है। यह पृथ्वी से सबसे करीबी, लगभग 13,000 प्रकाश वर्ष दूर है।

एलियन ममी मामले में विवाद गहराया, अमेरिकी और यूरोपीय वैज्ञानिकों से पुष्टि करवाने के प्रयास

लीमा। एलियन ममी का विवाद अब बढ़ता जा रहा है और इसके समर्थन और विरोध कमे में दो दल बन गये हैं। ये सारा विवाद पेरू में मिले दो एलियन के शवों से उठा है। मैक्सिकन का एक व्यक्ति एलियन के शवों पर कब्जे के साथ ही उनकी प्रामाणिकता के लिए अमेरिकी और यूरोपीय वैज्ञानिकों से पुष्टि करवाने के प्रयास में लगा है। वहीं वहीं बहुत से पुरातत्वविद, इतिहासकार और विशेषज्ञ इन शवों को लेकर उससे सहमत नहीं हैं। पुरातत्वविदों को डर है कि एलियन के बताये जा रहे शव कब्रों पर हमला करने वालों द्वारा खोदे गए प्राचीन मानव हो सकते हैं। यूएफओ शोधकर्ता जैमे मौसन ने कहा है कि अधिक गहन 'विश्लेषण किए जा रहे हैं' और वह पेरू की सरकार पर शवों को अमेरिका में अधिक उन्नत प्रयोगशालाओं में भेजने के अधिकार के लिए मुकदमा कर रहे हैं। जैमे, जिनके शोध ने लगभग एक दशक तक विवाद खड़ा किया है, ने यह विचार पेश किया है कि ममियों एलियन-मानव 'हाइब्रिड' हो सकती हैं, उनके वैज्ञानिक सहयोगियों ने घोषणा की है कि नए नमूनों में '30 फीसदी अज्ञात' डीएनए है। वहीं आलोचक उनके दावों पर संदेह जताते रहते हैं। लैटिन अमेरिकी इतिहासकार क्रिस्टोफर हेनी ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि वे मानव जैसे हैं। उन्हें लगता है कि वे मानव हैं। 'वहीं जैमे और उनके सहयोगियों ने स्पष्ट रूप से विदेश में व्यापक वैज्ञानिक रुचि के लिए जोर दिया है वे मेक्सिको की कांग्रेस के समक्ष एक विवादास्पद प्रस्तुति कर चुके है और उनका पेरू के संस्कृति मंत्रालय के साथ टकराव भी हो चुका है। जैमे का अपने आलोचकों के साथ टकराव पिछले अप्रैल में अपने सबसे गर्म क्षण पर पहुंच गया जब पेरू में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस ने प्रदर्शन पर रखे गए नए ममीकृत शवों में से एक को जब्त करने के इरादे से छापा मारा, जिसे 'मोंटसेराट' कहा जाता है। इस मामले में, '300 मिलियन डॉलर का मुकदमा पहले ही चल चुका है।'

रेफिजरेटेड ट्रक में दम घुटने से आठ लोगों की मौत

झेंग्झौ । चीन के हेनान प्रांत में एक रेफ्रिजरेटेड ट्रक में दम घुटने से आठ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आठ लोग वाहन के इंसुलेटेड डिब्बे में थे, जो नियमों के खिलाफ था। पुलिस ने कहा कि जब वाहन येक्सियन काउंटी के होंगझुआंगयांग टाउनशिप में एक गैस स्टेशन पर पहुंचा तब वे बेहोश पाए गए। जिसके बाद उन्हें अस्पताल भेजा गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वाहन चालक और संबंधित जिम्मेदार कर्मियों को हिरासत में लिया गया है, और मामले के कारणों की जांच की जा रही है।

वियनताम में बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत

हनोई । वियतनाम के दक्षिणी प्रांत एन गियांग में बिजली के झटके से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हुई। पीड़ितों की पहचान चाऊ फु जिले में रहने वाला 51 वर्षीय व्यक्ति, उसकी 45 वर्षीय पत्नी और सात वर्षीय पुत्री के तौर पर हुयी। रविवार को अपराह्न में पीड़ितों के घर के बगल में रहने वाले एक रिश्तेदार ने उन्हें मृत पाया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

हज यात्रियों ने अदा की हज की अंतिम रस्में, लू से 14 श्रद्धालुओं की मौत

मीना । सऊदी अरब में भीषण गर्मी के बीच बड़ी संख्या में हज यात्रियों ने शैतान को प्रतीकात्मक रूप से पत्थर मारने की रस्म अदा की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हज यात्रा के दौरान जॉर्डन के 14 श्रद्धालुओं की लू लगने से मृत्यु हो गई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह सऊदी अरब में मृतकों को दफनाने या शव को जॉर्डन भेजने के लिए सऊदी अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहा है। शैतान को प्रतीकात्मक रूप से पत्थर मारने की रस्म हज यात्रा के अंतिम दिनों में विश्वभर के मुस्लिमों के लिए ईद-उल-अजहा की शुरुआत का प्रतीक है। शैतान को पत्थर मारना इस्लाम के पांच स्तंभों और हज की अंतिम रस्मों में से एक है। यह रस्म पवित्र शहर मक्का के बाहर अराफात की पहाड़ी पर 18 लाख से अधिक हज यात्रियों के एकत्र होने के एक दिन बाद हुई, जहां हज यात्री हज की वार्षिक पांच दिवसीय रस्में पूरी करने आते हैं।

यूक्रेन का दावारूस ने तेज किए सैन्य हमले

कीव। रुस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग के बीच यूक्रेन ने दावा करते हुए कहा कि जब स्विट्जरलैंड में शांति सम्मेलन चल रहा था तो रूस ने यूक्रेन पर अपने सैन्य हमले तेज कर दिए। शांति सम्मेलन रविवार को समाप्त हो गया। यूक्रेनी जनरल स्टाफ ने रविवार शाम अपनी रिपोर्ट में कहा, पूरे दिन रूस ने यूक्रेन पर तेज हमला जारी रखा, हमारे डिफेन्स में सेंध लगाने की कोशिश की और हमारी इकाइयों को हमारे ठिकानों से हटाने की कोशिश करता रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि 25 हमलों को विफल कर दिया गया लेकिन 11 अभी भी जारी हैं। इसमें कहा गया है कि रूसी सेना आगे बढ़ने का प्रयास कर रही है, खासकर पोक्रोवस्क शहर के पास। कहा जाता है कि रूसी सेना ने उत्तर और दक्षिण में मोर्चे पर यूक्रेनी ठिकानों पर हमला करने के 10 प्रयास किए, लाइमन क्षेत्र और कुराखोव के आसपास। रिपोर्ट में कहा गया, मॉस्को की वायु सेना ने रक्षा ठिकानों पर भारी बमबारी की हालांकि इस जानकारी की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। पिछली सर्दी से ही यूक्रेन हथियारों और गोला-बारूद के अभाव में कमजोर स्थिति में है।

मक्का में हज यात्रा के दौरान मस्जिद की सेटेलाइट के जरिये ली गयी एक तस्वीर।

गाजा में युद्ध रोकने का अमेरिका ने दिया सुझाव

वॉशिंगटन। इजरायल और गाजा के बीच चल रहे युद्ध को रोकने के लिए जारी प्रयासों के बीच अमेरिका ने शांति का सुझाव दिया है। अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इजरायल और गाजा के युद्ध को देखते हुए अपने मुस्लमानों को देने वाले संदेश का इस्तेमाल किया।जो बाइडेन ने मुसलमानों को ईद अल-अधा संदेश दिया। उन्होंने कहा, यह हमास और इजरायल के बीच युद्ध की भयावहता से पीड़ित नागरिकों की मदद करने का युद्धविराम समझौते सबसे अच्छा तरीका था। बाइडेन ने आगे अपने इजरायल और हमास के युद्ध को लेकर कहा, बहुत से निर्दोष लोग मारे गए हैं, जिनमें हजारों बच्चे भी शामिल हैं। परिवार अपने घरों से भाग गए हैं और उन?होंने अपने समुदायों को नष्ट होते देखा है। जानकारी के लिए बता दें कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने इजरायल और हमास पर पिछले हफ्ते युद्धविराम समझौते को लिए औपचारिक रूप से स्वीकार करने के लिए दबाव डाला है, जिससे लड़ाई को शुरुआती छह सप्ताह के लिए रोका जा सकेगा। ये उन्होंने सुरक्षा परिषद के सदस्यों की तरफ से युद्धविराम को लेकर हरी झंडी दिखाने के बाद किया है। वहीं राष्ट्रपति जो बाइडेन ने म्यांमार में रोहिंग्या और चीन में उइगर सहित उत्पीड़न का सामना कर रहे अन्य मुस्लिम समुदायों के अधिकारों की वकालत करने की अपनी कोशिश पर भी बात की। उन्होंने कहा, हम सूडान में भीषण संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान लाने के लिए भी काम कर रहे हैं। जो अप्रैल 2023 से देश की सेना और दुश्मन के बीच लड़ाई की चपेट में है।

भारत ने नहीं किए यूक्रेन में शांति दस्तावेज पर दस्तखत, रूस और चीन ने बनाई दूरी

बेर्न (एजेंसी)। भारत समेत कुछ देशों ने यूक्रेन में शांति के लिए स्विट्जरलैंड द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए। अपने संक्षिप्त संबोधन में भारत के वरिष्ठ राजनयिक ने कहा कि शांति शिखर सम्मेलन में भारत भागीदारी और यूक्रेन के शांति फार्मूले पर आधारित वरिष्ठ अधिकारियों की कई पूर्व बैठकें हमारे स्पष्ट और सुसंगत दृष्टिकोण के अनुरूप हैं कि स्थायी शांति केवल बातचीत और कूटनीति के माध्यम से ही प्राप्त की जा सकती है। भारत ने संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए रूस और यूक्रेन के बीच ईमानदारी और व्यावहारिक भागीदारी का आह्वान किया। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) पवन कपूर ने स्विस रिसॉर्ट बर्गेनस्टॉक में आयोजित शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें कई राष्ट्राध्यक्षों सहित 100 से अधिक देशों और संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत का मानना ??है कि इस तरह के समाधान के लिए संघर्ष में शामिल दोनों पक्षों के बीच ईमानदारी और व्यावहारिक भागीदारी की आवश्यकता है। मंत्रालय ने कहा, इस संबंध में, भारत सभी हितधारकों के साथ-साथ दोनों पक्षों के साथ बातचीत जारी रखेगा, ताकि शीघ्र और स्थायी शांति लाने के लिए सभी गंभीर प्रयासों में योगदान दिया जा सके। स्विट्जरलैंड के विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि 83 देशों और संगठनों ने यूक्रेन में शांति पर उच्च स्तरीय सम्मेलन के अंत में संयुक्त बयान को मंजूरी दी। शिखर सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भविष्य की शांति प्रक्रिया को प्रेरित करना था। रूस को शिखर सम्मेलन में आमंत्रित नहीं किया गया था, जबकि चीन ने इसमें शामिल नहीं होने का फैसला किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने शिखर सम्मेलन के उद्घाटन और समापन पूर्ण सत्र में भाग लिया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारत ने इस शिखर सम्मेलन से जारी होने वाले किसी भी विज्ञप्ति या दस्तावेज से खुद को संबद्ध नहीं किया है। मंत्रालय ने बयान में कहा, सम्मेलन में भारत की भागीदारी, साथ ही यूक्रेन के शांति फार्मूले पर आधारित पूर्ववर्ती एनएसए या राजनीतिक निदेशक स्तर की बैठकों में भागीदारी, संवाद और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान को सुगम बनाने के हमारे सतत दृष्टिकोण के अनुरूप है।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन का विमान जापान जाते समय खराब हुआ

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन को जापान ले जा रहा न्यूजीलैंड रक्षा बल का विमान रविवार को खराब हो गया, जिसके कारण प्रधानमंत्री को वाणिज्यिक उड़ान लेनी पड़ी, सोमवार को उनके कार्यालय ने इसकी पुष्टि की। लक्सन जापान में चार दिन बिता रहे हैं, जहां उनके जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा से मिलने और न्यूजीलैंड के व्यापार को बढ़ावा देने में समय बिताने की उम्मीद है।

पन्नू की हत्या कराने की साजिश के आरोपी निखिल गुप्ता को अमेरिका पहुंचाया

बीजिंग। खालिस्तानी आतंकवादी और अमेरिकी नागरिक गुरपतवंत सिंह पन्नुन की अमेरिकी धरती पर हत्या की साजिश में आरोपी भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को चेक गणराज्य से अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया है, समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने फेडरल ब्यूरो प्रिजन्स वेबसाइट और मामले से परिचित एक सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी।

रविवार (16 जून) को ब्यूरो ऑफ प्रिजन्स वेबसाइट पर कैदी के नाम से खोज करने पर पता चला कि 52 वर्षीय गुप्ता को ब्रुकलिन के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा गया है, जो एक संघीय प्रशासनिक हिरासत केंद्र है। इसके अलावा, एक सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर रॉयटर्स से स्वतंत्र रूप से गुप्ता के प्रत्यर्पण और ब्रुकलिन में उनकी हिरासत की पुष्टि की। उसे सोमवार को न्यूयॉर्क में एक संघीय अदालत के समक्ष पेश किए जाने की उम्मीद है।

पिछले महीने, एक चेक अदालत ने अमेरिका भेजे जाने से बचने के लिए निखिल गुप्ता की याचिका को खारिज कर दिया, जिससे चेक न्याय मंत्री के लिए उसे प्रत्यर्पित करने का रास्ता साफ हो गया।

गुप्ता को पिछले साल 30 जून को चेक गणराज्य में गिरफ़्तार किया गया था, इस आधार पर कि हत्या की साज़िश में उनकी संलिप्तता के बारे में अमेरिका ने आरोप लगाया था। अमेरिकी संघीय अभियोजकों के अनुसार, गुप्ता को एक अमेरिकी नागरिक की हत्या के लिए एक हत्यारे को नियुक्त करने की साज़िश में फंसाया गया था, जो कथित तौर पर एक भारतीय सरकारी अधिकारी के निर्देश पर किया गया था। लक्ष्य की पहचान पन्नू के रूप में की गई थी।

निखिल गुप्ता का प्रत्यर्पण अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन की वार्षिक ICET वार्ता के लिए नई दिल्ली की यात्रा से पहले हुआ है। उम्मीद है कि सुलिवन अपने भारतीय समकक्ष अजीत डोभाल के समक्ष इस मामले को उठाएंगे।भारत ने पन्नू की हत्या की साजिश में अपनी संलिप्तता से इनकार किया है और अमेरिका के आरोपों की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की है। निखिल गुप्ता ने भी अपने वकील के माध्यम से आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि उन पर ÷अनुचित आरोप÷ लगाए गए हैं। गुरपतवंत सिंह पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है और वह आतंकवाद के आरोपों में भारत में वांछित है।

पाकिस्तान सरकार ने इमरान की पार्टी को चेताया, राष्ट्र विरोधी गतिविधि बंद करें

हार्वर्ड (एजेंसी)। इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी से 'राष्ट्र विरोधी गतिविधियां एवं दुष्प्रचार' को बंद करने की अपील करते हुए सरकार ने चेतावनी दी है कि वह मित्र देशों के साथ संबंधों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास में सोशल मीडिया पर राष्ट्र विरोधी अभियान चलाने में शामिल लोगों पर शिकंजा कसेगी। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कानूनी मामलों के प्रवक्ता अकील मलिक ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) विदेशों में जिस तरह पाकिस्तान विरोधी गतिविधि चला रही है, पूर्व में वैसी कोई मिसाल नहीं मिलती।

उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान एक स्वतंत्र देश है और किसी दूसरे देश से वह निर्देशनहीं लेता। हम सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध चाहते हैं। हालांकि, 2022 के अविश्वास प्रस्ताव के बाद से विदेशों में पाकिस्तान के खिलाफ बदनामीकारक अभियान शुरू हो गया है, जिसने पाकिस्तान विरोधी दुष्प्रचार को बढ़ावा दिया है।' मलिक ने आरोप लगाया कि पीटीआई ने दूसरे देशों में पाकिस्तान विरोधी अभियान को बढ़ावा देने के लिए लामबंदी करने वालों और जनसंपर्क कंपनियों को काम पर रखा है।

इसके साथ ही पार्टी को चेतावनी दी कि सरकार मित्र देशों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास में सोशल मीडिया पर देश विरोधी अभियान चलाने में शामिल लोगों पर शिकंजा कसेगी। खबर में कहा गया है कि प्रवक्ता ने पीटीआई से आग्रह किया कि वह अपनी 'राष्ट्र विरोधी गतिविधियों और दुष्प्रचार' को छोड़ दे तथा वैश्विक मंचों पर देश के हितों को नुकसान पहुंचाने के बजाय समाधान पर विचार करने के लिए राजनीतिक मुद्दों पर सरकार के साथ बातचीत करे।

ट्रंप की वापसी के डर से विकसित देश डब्ल्यूटीओ समझौते पर कर रहे जल्दबाजी

जिनेवा (एजेंसी)। विकसित देशों को डर सता रहा है कि डॉनल्ड ट्रंप इस साल नवंबर में अमेरिका के राष्ट्रपति बन गए तो डब्ल्यूटीओ की गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। भारत इन देशों के से किसी प्रयास का हिस्सा नहीं बनना चाहता है। जिनेवा में भारत के एक व्यापार राजनयिक ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया, 'अमेरिका, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, नॉर्वे, स्विटजरलैंड, सिंगापुर, जापान और दक्षिण कोरिया ई-कॉमर्स और मछुआरों को सब्सिडी दिए जाने से जुड़े मसलों पर सहमति बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

भारत का कहना था कि मछुआरों को सब्सिडी पर कोई व्यापक समझौता समान परंतु विभेदित उत्तरदायित्व के सिद्धांतों (सीबीडीआर-आरसी) पर आधारित होना चाहिए। भारत का कहना है कि विकासशील देशों में मछुआरों को विशेष आर्थिक क्षेत्रों (उनके अधिकार वाले जल से 200 नॉटिकल मील तक) में मछली पकड़ने के लिए सब्सिडी की व्यवस्था जारी रहनी चाहिए। भारत का यह भी कहना रहा है कि इस सीमा से बाहर मछली पकड़ने के लिए विकसित देशों को अपने मछुआरों को अगले 25 वर्षों तक किसी प्रकार की सब्सिडी नहीं देनी चाहिए।

मगर फिलहाल हालात ऐसे नहीं दिख रहे हैं क्योंकि अब तक कोई दस्तावेज भी नहीं सौंपा गया है। इन देशों को लगता है कि अगर ट्रंप अमेरिका के अगले राष्ट्रपति बने तो उनके कार्यकाल में डब्ल्यूटीओ कमजोर हो जाएगा। इस डर के कारण वे नवंबर से पहले किसी न किसी तरह सहमति कायम कर लेना चाहते हैं।' नवीनतम आंकड़ों एवं सर्वेक्षणों के अनुसार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने की दौड़ में ट्रंप मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन से आगे निकलते दिख रहे हैं। शुक्रवार को जी-7 समूह के नेताओं ने इटली में सम्मेलन के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा कि वे डब्ल्यूटीओ में नियम आधारित, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष, समान एवं पारदर्शी बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के प्रति कटिबद्ध हैं।बयान में कहा गया, 'हम ई-कॉमर्स पर पर संयुक्त वक्तव्य पहल की दिशा में काम करने का मजबूत इरादा रखते हैं। हम दुनिया में मछली पकड़ने पर दी जाने वाली सब्सिडी पर एक महत्त्वाकांक्षी एवं व्यापक समझौते के पक्षधर हैं।' ट्रंप जब अमेरिका के राष्ट्रपति थे तो उन्होंने डब्ल्यूटीओ को कमजोर और अनुचित व्यवस्था करार दिया था। उन्होंने इस वैश्विक संस्था से अमेरिका के हटने की भी धमकी तक दे डाली थी। उन्होंने डब्ल्यूटीओं की अपील इकाई में नई नियुक्तियों का रास्ता भी बंद कर दिया था जिसके बाद इस संस्था में विवाद सुलझाने की व्यवस्था बाधित हो गई।

राजनियक ने कहा कि भारत हमेशा से अपने हितों को देखते हुए कदम बढ़ाता आया है और दूसरे देशों की कवायद को स्वयं पर हावी होने नहीं दिया है। उन्होंने कहा, 'मछुआरों को

सब्सिडी दिए जाने के विषय पर हमारा रुख अब भी वही है जो पहले था। जहां तक ई-कॉमर्स जेएसआई की बात है तो हम इनका हिस्सा नहीं हैं बल्कि पर्यवेक्षक मात्र हैं।' इन विषयों पर वाणिज्य मंत्रालय को भेजे गए ई-मेल का समाचार लिखे जाने तक जवाब नहीं आया था। अबू धाबी में डब्ल्यूटीओ की 13वीं मंत्रिस्तरीय बैठक (एमसी13) में डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों के बीच मछुआरों को दी जाने वाली सब्सिडी पर सहमति नहीं बन पाई थी। मछुआरों की सब्सिडी मिलने से मछली उत्पादन बढ़ने में मदद मिलती है।

आंतरिक कोर की घूर्णन में परिवर्तन से दिन 24 घंटे से भी लंबे

-वैज्ञानिकों का दावा प्रक्रिया 2010 में हुई शुरु

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। सभी जानते हैं कि 24 घंटे में एक बार दिन और एक बार रात होती है। अब वैज्ञानिकों ने पृथ्वी पर दिन की अवधि को लेकर बड़ा दावा किया है। एक शोध के मुताबिक धरती के आंतरिक कोर की घूर्णन गति कम हो रही है। इसका प्रभाव पृथ्वी की घूर्णन गति पर भी पड़ेगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह प्रक्रिया 2010 से ही शुरू हो गई है और अब दिन की अवधि पहले से ज्यादा हो गई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि आंतरिक कोर की घूर्णन में परिवर्तन से दिन 24 घंटे से भी लंबे हो सकते हैं।

बता दें कि पृथ्वी की आंतरिक कोर एक ठोस स्फेयर है जो कि लोहे और निकेल से बनी है। वहीं इसके चारों ओर पिघली हुई धातुयें बेहद गर्म और तरल अवस्था में मौजूद हैं। पृथ्वी की 3 लेयर में मैंटल और क्रस्ट शामिल हैं। वैज्ञानिकों को पृथ्वी के आंतरिक कोर के बारे में जानकारी सीस्मिक तरंगों के जरिए मिलती है। भूकंप के वक्त रिकॉर्ड किए गए कंपन से यह अध्ययन किया गया है।

कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के नेचर जर्नल में छपे शोध में बताया गया है कि अगर यही ट्रेंड बरकरार रहता है तो दिन की अवधि बदल जाएगी। इसमें सेकंड के एक हिस्से का फर्क आना शुरू हो जाएगा जो कि लगातार बढ़ता ही रहेगा। शोधकर्ताओं में शामिल प्रोफेसर जॉन विडाले ने कहा कि पहले जब मुझे यह पता चला तो मैं खुद अचंभित रह गया, लेकिन जब पता चला कि 2 दर्जन ऐसे ही सिग्नल और पाए गए हैं तो यकीन हो गया कि इनर कोर में परिवर्तन हो रहा है। कई दशकों बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब इनर कोर के घूर्णन में परिवर्तन पाया गया है। धरती के इनर कोर को लेकर कई तरह की बहस चलती रहती है। कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि यह पृथ्वी की घूर्णन गति से ज्यादा तेजी से घूमती है। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि मैग्नेटिक फील्ड की वजह से इसका घूर्णन धरती के घूर्णन से कम होता है। हालांकि इस बात से कोई इनकार नहीं करता है कि इनर कोर से बैकट्रैकिंग होती है और इसका असर धरती की घूर्णन गति पर भी पड़ता है। 40 साल में पहली बार पाया गया है कि इनर कोर की घूर्णन गति मैंटल से कम है।

एक अन्य स्टडी में कहा गया था कि ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से पहाड़ों के ग्लैशियर और अंटार्कटिका की बर्फ तेजी से पिघल रही है और इसकी वजह से भी पृथ्वी का घूर्णन धीमा हो रहा है।

इसी वजह से दिन लंबे होते जा रहे हैं। रिसर्च में कहा गया था कि इस इफेक्ट को कम करने के लिए धरती की तरल वाली लेयर भी धीमी हो रही है। वहीं ठोस लेयर की गति तेज हो गई है। शोध में कहा गया था कि दिन की मियाद में कुछ लीप सेकंड ही जोड़े जा सकते हैं। 1972 के बाद से कुछ सालों में लीप सेकंड जोड़ने पड़ते हैं। इससे पता चलता है कि पृथ्वी हमेशा एक ही गति से नहीं घूमित है। बता दें कि वैज्ञानिक आंतरिक कोर के घूर्णन पर लगातार नजर रखते हैं। यह पृथ्वी का वह हिस्सा है जो कि 5 हजार 500 डिग्री सेल्सियस तक गर्म रहता है। वहीं यह हिस्सा हमारे पैरों से करीब 3 हजार मील दूर है। इंसान चांद का सफर तो कर चुका है लेकिन पृथ्वी के इस हिस्से तक पहुंचना अब भी नामुमकिन है।

सैमसन , यशस्वी सहित इन चार क्रिकेटरों को सुपर आठ में भी अवसर मिलना मुश्किल

बारबडोस (एजेंसी)। भरतीय क्रिकेट टीम के चार खिलाड़ियों को अब तक टी20 विश्वकप में अवसर नहीं मिला है। अब सुपर आठ में इन खिलाड़ियों में से किसी एक को अवसर मिलना कठिन दिख रहा है। भारतीय टीम को सुपर-8 में अफगानिस्तान, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया का सामना करना है। विश्वकप में अब तक संजू सैमसन, यशस्वी जायसवाल, कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल को एक भी मैच खेलने को नहीं मिला है। जिस प्रकार टीम ने अब तक खेला है। उसको देखते हुए उसमें बदलाव की उम्मीद नहीं है। ऐसे में लगता है कि इन खिलाड़ियों को बाहर ही बैठना पड़ सकता है। भारतीय टीम को अब अपने सभी मैच वेस्टइंडीज में खेलने हैं। इसकी पिचों पर स्पिनरों को सहायता मिलती है, उसे देखते हुए केवल कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल में से किसी एक को अवसर मिल सकता है पर उसके लिए अक्षर पटेल आर रविन्द्र जडेजा में से किसी एक हो हटना होगा जो अभी कठिन नजर आता है।

यशस्वी जायसवाल: सलामी बल्लेबाजी यशस?वी जायसवाल को इस बार मिलना संभव नहीं है क्योंकि विराट कोहली अभी रोहित शर्मा के साथ पारी शुरु कर रहे हैं। विराट को शायद ही एक बार फिर नंबर-3 पर खेलने को भेजा जाये। ऐसे में यशस्वी को आगे भी अवसर मिलना कठिन दिख रहा है।

संजू सैमसन: विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर संजू सैमसन को टीम इंडिया में शामिल किया गया था पर जिस प्राकर से ऋषभ पंत ने विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी की है उसको देखते हुए उन्हें बाहर करना संभव नजर नहीं आता। इसलिए सैमसन को अवसर मिलना संभव नहीं दिखता।

कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल: स्पिनर कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल अब तक टीम इंडिया के साथ बेंच पर बैठे हुए ही नजर आए। अमेरिका की पिचों पर तेज गेंदबाजों को ज?यादा मदद मिलने के कारण इन्हें अवसर नहीं मिला। अब कैरिबियाई पिचों को देखते हुए एक अतिरिक्त स्पिनर को मौका दिया जा सकता है. लेकिन फिर भी चहल और कुलदीप में से किसी एक को मौका मिलना मुश्किल नजर आता है।

चिंता की बात नहीं... जब जरुरत होगी कोहली ठोंक देगा रन

– भारतीय बल्लेबाजी कोच ने दिया जबाव

लॉडरहिल (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप में विराट कोहली का लगातार खराब फॉर्म कोई चिंता की बात नहीं है, क्योंकि वह नेट पर शानदार फॉर्म में हैं। वे सुपर आठ से पहले कहीं ज्यादा जोश में दिख रहे हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कोहली ने अब तक आयरलैंड, पाकिस्तान और यूएसए के खिलाफ क्रमश=1, 4 और 0 रन बनाए हैं। राठौर ने कहा, मुझे अच्छा लगता है जब मैं आता हूं, तब हर बार विराट कोहली के बारे में सवाल पूछा जाता है कि वह अच्छा कर रहे हैं या नहीं। बिल्कुल भी चिंता की बात नहीं है। वह (कोहली) जिस टूर्नामेंट (आईपीएल) से आया है, उससे शानदार बल्लेबाजी कर रहा है। यहां कुछ आउट होने से कुछ नहीं बदलता, वह वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है।

राठौर को भरोसा है कि कोहली तब अच्छा प्रदर्शन करेगा जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी। उन्होंने कहा, वास्तव में, यह अच्छा है कि वह थोड़ा भूखा है, वह वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक है और वास्तव में तैयार है। बल्लेबाजी कोच ने शिवम दुबे और अक्षर पटेल सहित चार ऑलराउंडर खेलना तय है या नहीं, इस सवाल को टाल दिया। उन्होंने कहा, फिर से हमें एक लचीली टीम बनने की जरूरत है। हमें उन परिस्थितियों को देखने की जरूरत है जो हमारे सामने हैं और उनसे निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। इसलिए एक टीम के रूप में मुझे लगता है कि हम वास्तव में लचीले होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हम उस दिन जो भी परिस्थितियां होंगी, उसके हिसाब से टीम का चयन करना चाहते है। हमारी टीम में किसी भी तरह की परिस्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। उन्होंने कहा कि सुपर आठ से पहले फ्लोरिडा में कुछ खेल का समय निश्चित रूप से मददगार होता। राठौर ने कहा, लेकिन अगर खेल होता तब इससे हमें वास्तव में मदद मिलती। हम वास्तव में खेल खेलने, क्रिकेट का अच्छा खेल खेलने के लिए उत्सुक थे।

गंभीर के मुख्य कोच बनते ही भारतीय टीम में बदलाव तय

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर का भारतीय टीम का अगला मुख्य कोच बनना तय नजर आ रहा है। वर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्वकप के साथ ही समाप्त हो जाएगा। माना जा रहा है कि जून के अंतिम सप्ताह में बीसीसीआई गंभीर की नियुक्ति को लेकर आधिकारिक घोषणा करेगी। माना जा रहा है कि बीसीसीआई ने कोच पद स्वीकार करने को लेकर गंभीर की शर्तों को मान लिया है। गंभीर की मांग थी की उन्हें टीम पर पूरा नियंत्रण मिलना चाहिये। इसके साथ ही सहयोगी स्टाफ भी उनकी पसंद का ही रहेगा। इसके अलावा खराब प्रदर्शन कर रहे सीनियर खिलाड़ियों को बाहर करने के भी अधिकार उन्हें दिये जायें। टेस्ट के लिए वह अलग टीम बनाने के साथ ही 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए अभी भी योजना बनाएंगे।

गंभीर के कोच बनते ही टीम में बड़े बदलाव होने तय है। वहीं कहा जा रहा है कि चार अनुभवी खिलाड़ियों को भी किसी न किसी प्रारुप से बाहर होना पड़ सकता है। ये हैं विराट कोहली, रोहित शर्मा रविन्द्र जाडेजा और मोहम्मद शमी।

विराट कोहली : साल 2008 में अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत करने वाले विराट ने भारत को कई मैच जिताए हैं और सभी प्रारुपों में जमकर रन बनाये हैं पर गंभीर का मानना है कि अब विराट को सिर्फ टेस्ट और वनडे फॉर्मेट पर ही फोकस करना चाहिए। टी-20 में नए खिलाड़ियों को मौका मिलने की जरूरत है।

रोहित शर्मा : भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भारत के लिए 2007 में डेब्यू किया था। विराट की कप्तानी छोड़ने के बाद उन्हें कप्तान बनाया गया। फिलहाल वह तीनों फॉर्मेट में भारत की अगुवाई कर रहे हैं। वैसे भी बीते कई साल से टी-20 फॉर्मेट में उनका प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा है। ऐसे में गंभीर के आने से वह इस प्रारुप से बाहर हो सकते हैं।

रविंद्र जडेजा : रविंद्र जडेजा सफेद गेंद प्रारुप में भारतीय टीम में बिना विशेष प्रदर्शन के ही चयनित होते जा रहे हैं। 2022 टी-20 विश्व कप, 2023 वनडे विश्व कप, मौजूदा टी-20 विश्व कप पिछले हर बड़े टूर्नामेंट में जडेजा ने निराश किया है। अब वह केवल स्वदेश में टेस्ट ही खेलने के लायक है और ऐसे में गंभीर के कार्यकाल में जडेजा बाहर हो सकते हैं।

मोहम्मद शमी- गंभीर शमी को टेस्ट में लगातार खिलाना चाहते हैं। साथ ही 2027 एकदिवसीय विश्व कप पर भी उनकी नजर हैं। ऐसे में अब कार्रभार प्रबंधन के तहत शमी को टी-20 टीम से

टी20 विश्वकप के सुपर मुकाबले 19 जून से , भारत का पहला मुकाबला अफगानिस्तान से होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट लूसिया (ईएमएस)। टी20 विश्वकप में अब 19 जून से सुपर आठ मुकाबले शुरु होंगे। प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें सुपरआठ मे पहुंची हैं। इस प्रकार चार ग्रुप से आठ टीमें सुपर आठ में पहुंची हैं। इसमें ग्रुप एक से भारत और अमेरिका जबकि ग्रुप-बी से ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड। वहीं ग्रुप-सी-से अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज जबकि ग्रुप-डी से दक्षिण अफ्रीका व बांग्लादेश की टीमें शामिल हैं। सुपर-8 के ग्रुप एक में भारत, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें हैं जबकि ग्रुप-2 में अमेरिका इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की टीम है। सुपर आठ मुकाबलों की शुरुआत 19 जून से अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबलों से शुरु होगी।

भारतीय टीम सुपर-8 चरण में खिलाफ खेलेगी। इसके बाद 22 जून को एंटीगा में बांग्लादेश से उसका मुकाबला होगा। 24 जून को भारतीय मैच खेलेगी। ये सभी मैच भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से शुरु होंगे।

सुपर-8 के मैचों का कार्यक्रम

19 जून-अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका, एंटीगा, रात 8 बजे
20 जून-इंग्लैंड और वेस्टइंडीज, सेंट लूसिया, सुबह 6 बजे
20 जून-अफगानिस्तान और भारत, बारबाडोस, रात 8 बजे
21 जून-ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश, एंटीगा, सुबह 6 बजे
21 जून-इंग्लैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका, सेंट लूसिया, रात 8 बजे
22 जून-अमेरिका और वेस्टइंडीज, बारबाडोस, सुबह 6 बजे
22 जून-भारत और बांग्लादेश, एंटीगा, रात 8 बजे
23 जून-अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया, सेंट विंसेंट, सुबह 6 बजे
23 जून-अमेरिका और इंग्लैंड, बारबाडोस, रात 8 बजे
24 जून-वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका, एंटीगा, सुबह 6 बजे
24 जून-ऑस्ट्रेलिया और भारत, सेंट लूसिया, रात 8 बजे
25 जून-अफगानिस्तान और बांग्लादेश, सेंट विंसेंट, सुबह 6 बजे
27 जून-सेमीफाइनल 1, गुयाना, सुबह 6 बजे
27 जून-सेमीफाइनल 2, त्रिनिदाद, रात 8 बजे
29 जून-फाइनल, बारबाडोस, रात 8 बजे।

जल्द ही टी20 में एक-दूसरे के खिलाफ खेलेगी स्कॉटलैंड और ऑस्ट्रेलिया

एडिनबर्ग। स्कॉटलैंड और ऑस्ट्रेलिया जल्द ही टी20 सीरीज खेलेगी। महीने के अंत में इंग्लैंड दौरे से पहले ऑस्ट्रेलिया टीम 4, 6 और 7 सितंबर को द ग्रेंज, एडिनबर्ग में स्कॉटलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैच खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार वनडे मैच खेलने के लिए 2013 में स्कॉटलैंड का दौरा किया था, जहां उन्होंने 200 रन की बड़ी जीत हासिल की थी।

क्रिकेट स्कॉटलैंड के मुख्य टुडी लिंडब्लेड ने कहा कि स्कॉटिश क्रिकेट को सभी स्तरों पर बेहतर बनाने के लिए काम हो रहा है, और मैं उनके निरंतर समर्थन के लिए सभी को धन्यवाद देता हूं क्योंकि साथ मिलकर हम हर दिन स्कॉटिश क्रिकेट को बेहतर बनाने में जुटे हुए हैं। हमें अपने स्वयंसेवकों, कोचों, प्रशासकों के काम पर गर्व है। अब तक स्कॉटलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ 5 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेली हैं। उनके सभी मैच वनडे रहे हैं। स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बेरिंगटन ने टी20ई श्रृंखला में ऑस्ट्रेलियाई टीम का सामना करने की संभावना पर कहा कि गर्मियों के अंत में इस घरेलू श्रृंखला का आयोजन शानदार है। मैं भाग्यशाली था। जब आखिरी बार 2013 में ऑस्ट्रेलिया ने दौरा किया था, तब भी अपनी टीम के लिए खेला था।

मैदानी कवर न रखने वाले स्टेडिमयमों में मैच नहीं रखें : गावस्कर

फ्लोरिडा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने मैदानी कवर न रखने वाले स्टेडिमयमों में मैच नहीं रखने को कहा है। टी20 विश्व कप में बारिश के कारण कुछ मैच नहीं हो पाये क्योंकि मैदान गीले थे। इसी को देखते हुए गावस्कर ने ये बात कहीं है। इसमें भारत और कनाडा का मुकाबला एक भी गेंद फेंके बिना ही रद्द कर दिया गया था। यह बारिश के कारण रद्द होने वाला लगातार तीसरा मैच है। गावस्कर ने इसी को देखते हुए एक शो के दौरान कहा कि आईसीसी को उन मैचों की मेजबानी नहीं करनी चाहिए जहां पूरे मैदान को कवर करने के लिए कोई कवर नहीं है। साथ ही कहा कि आप केवल पिच को कवर करके ही मैच नहीं करा सकते हैं। मैदान के अन्य हिस्सों को भी गीला होने से बचाना होगा। फ्लोरिडा में पिछले कुछ दिनों में भारी बारिश के कारण स्टेडिममों में आउटफील्ड गीली हो गई थी।

एकदिवसीय शतकों के मामले में हरमनप्रीत से आगे निकलीं मंधाना

बेंगलुरु। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज मंधाना ने यहां दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में 117 रनों की शतकीय पारी खेलने के साथ ही कप्तान हरमनप्रीत कौर का एक रिकार्ड तोड़ दिया। स्मृति ने मैच में 127 गेंदों पर 117 रन बनाए जो इस प्रारूप में उनका छठा शतक है। इससे भारतीय टीम ने आठ विकेट पर 265 रन बनाये। स्मृति का यह स्वदेश में पहला शतक भी है। स्मृति ने इसी के साथ हरमनप्रीत के एकदिवसीय में लगाए पांच शतकों का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। स्मृति के अब एकदिवसीय प्रारुप में छह शतक हो चुके हैं। भारत की ओर से एकदिवीसय में सबसे ज्यादा शतक पूर्व कप्तान मिथाली राज के हैं। मिताली ने अपने करियर में सात शतक लगाये थे। वहीं स्मृति ने कहा कि मुझे पता था कि मैंने भारत में शतक नहीं बनाया है, पर जब मैं बल्लेबाजी कर रही थी तो यह बात मेरे दिमाग में नहीं आई। मुझे इस बात की खुशी है कि हमने 260 से अधिक रन बनाये। स्मृति ने जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के माध्यम से आखिरी बार प्रारूप खेलने के बाद एकदिवसीय खेलने के लिए की गई तैयारी को लेकर कहा कि लंबे समय के बाद एकदिवसीय क्रिकेट खेलते हुए नेट्स पर अपने शॉट्स को नियंत्रण में रखना कठिन था।

कप्तानी छोड़ने के बारे में नहीं सोचा है, यह फैसला पीसीबी का है: बाबर आजम

फोर्ट लाउडरहिल (एजेंसी)। टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण से बाहर होने के बाद आलोचना का सामना कर रहे पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि उन्होंने कप्तानी छोड़ने के बारे नहीं सोचा है और इस बारे में कोई फैसला पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से बातचीत के बाद किया जायेगा। पिछले टी20 विश्व कप (2022) के उपविजेता पाकिस्तान को ग्रुप ए में अपने शुरुआती दो मैचों में अमेरिका और भारत से शिकस्त का सामना करना पड़ा, जिससे टीम सुपर आठ चरण में जगह बनाने में विफल रही।

एकदिवसीय विश्व कप (2023) के बाद टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण में बाहर होने के कारण भारी आलोचना का सामना कर रहे पाकिस्तान के कप्तान से जब आयरलैंड के खिलाफ खेले गये मैच के बाद

पूछा गया कि क्या उनकी इस्तीफा देने की कोई योजना है, तो उन्होंने पलटवार किया। आयरलैंड को तीन विकेट से हराने के बाद बाबर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जब मैं वापस जाऊंगा (पाकिस्तान) तो हम उन सभी चीजों पर चर्चा करेंगे जो यहां हुई हैं। अगर मुझे कप्तानी छोड़नी होगी, यह फैसला, मैं आपको खुलकर बताऊंगा। मैं पर्दे के पीछे कुछ भी घोषणा नहीं करूंगा। जो कुछ भी होगा वह सब के सामने होगा।''

बाबर ने कहा कि पीसीबी ने उन्हें फिर से कप्तानी सौंपी थी और इसके जारी रखने पर कोई भी फैसला उन्हीं का होगा। उन्होंने कहा, ''मैंने इसके बारे में नहीं सोचा है। निर्णय पीसीबी का है।'' उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी भी नेतृत्व की भूमिका की मांग नहीं की है। दायें हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा, '' कप्तानी के बारे में बात करें तो जब मैंने इसे (वनडे विश्व कप के बाद) छोड़ा था, तो मैंने सोचा था कि अब मुझे यह नहीं करना चाहिए, इसलिए मैंने इसे छोड़ दिया और मैंने खुद इसकी घोषणा की। फिर जब उन्होंने इसे मुझे वापस दिया, तो यह यह पीसीबी का निर्णय था।''

इस दौरान बार-बार कप्तानी को लेकर सवाल पूछे जाने से बाबर झल्ला गए और उन्होंने निराशाजनक अंदाज में कहा कि टीम की हार के लिए सिर्फ उन्हें बलि का बकरा नहीं बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा, '' हर कोई निराश है। हम एक टीम के तौर पर अच्छा नहीं खेले। मैंने आपको पहले भी कहा कि हम किसी एक खिलाड़ी की वजह से नहीं हारे हैं।''

बाबर ने कहा, '' हम एक टीम के तौर पर हारे हैं। मैं कप्तान हूं इसलिए आप बार-बार मेरे ऊपर उंगली उठा रहे हैं, मै सभी खिलाड़ी की जगह नहीं खेल सकता। टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं और हर किसी की अपनी भूमिका होती है।'' उन्होंने कहा, '' मुझे लगता है कि एक टीम के रूप में हम चीजों को लागू करने, उसका पालन करने और सही तरीके से खत्म करने में सक्षम नहीं रहे हैं। हमें शांत होकर यह स्वीकार करना होगा कि हम एक टीम के रूप में अच्छा नहीं खेल सके।

52 वर्षीय महिला धाविका नताली ने 1,000 किमी रेस पूरी कर रिकार्ड बनाया

–सबसे तेजी से मलेशियाई प्रायद्वीप को पर किया

सिंगापुर सिटी। 52 साल की धाविका नताली डाउ ने भीषण गर्मी के बाद भी 12 दिन में 1,000 की दौड़ पूरी कर एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। नताली ने थाईलैंड, मलेशिया और सिंगापुर को पार करते हुए 12 दिनों में 1,000 किलोमीटर की दौड़ लगायी। इस दौरान ये धाविका भीषण गर्मी और कूल्हे की गंभीर चोट से भी परेशान थी पर उसने हौंसला नहीं खोया और हर दिन दो मैराथन के बराबर दौड़ीं। नताली की ये यात्रा 5 जून को सिंगापुर में खत्म हुई। इस असाधारण उपलब्धि के कारण उसे सबसे तेज़ 1,000 किमी थाईलैंड-सिंगापुर अल्ट्रामैराथन के लिए सिंगापुर का रिकॉर्ड मिला। इसके अलावा सबसे तेज़ गति से मलेशिया प्रायद्वीप को पैदल पार करने के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से प्रमाण पत्र भी मिलने वाला है। इस धाविका ने कहा, मुझे खेल की चुनौतियां पसंद हैं, इसकी सहजता पसंद है पर मुझे निराशा के क्षण पसंद नहीं हैं। हालांकि ये अक्सर आते रहते हैं। इस धाविका की दौड़ के कारण वैश्विक चैरिटी जीआरएलएस के लिए 50,000 डॉलर से अधिक की राशि एकत्र हुई है। चैरिटी जीआरएलएस खेलों के जरिये से महिलाओं और लड़कियों का समर्थन करती है, जिसका उद्देश्य उनके नेतृत्व कौशल को विकसित करना है। उन्होंने कहा, चाहे आप पहले स्थान पर आएं या आखिरी, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आपने कुछ ऐसा किया है जो लगभग अलौकिक है, ऐसा कुछ जो दुनिया की 0.05फीसदी आबादी कभी नहीं करेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार ये यात्रा बेहद कठिन थी। 35 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में दौड़ने के कारण उनके जूते तक पिघल गए और पहले ही दिन से उन्हें कूल्हे में चोट लग गई। तीसरे दिन तक उन्हें मूत्र मार्ग में संक्रमण हो गया। हालांकि उसने ने इन चुनौतियों का सामना किया। हर दिन, उन्होंने कम से कम 84 किलोमीटर की दूरी तय की।

पाकिस्तान ने आयरलैंड को तीन विकेट से हराकर जीत से अभियान खत्म किया

लॉडरहिल (एजेंसी)। पाकिस्तान ने शाहीन शाह अफरीदी की अगुआई में तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान बाबर आजम की नाबाद 32 रन की पारी से रविवार को यहां टी20 विश्व कप के बेमानी ग्रुप मैच में आयरलैंड को तीन विकेट से हराकर सांत्वना भरी जीत दर्ज की। पाकिस्तान ने शानदार गेंदबाजी से आयरलैंड को 20 ओवर में नौ विकेट पर 106 रन ही बनाने दिये। पर आयरलैंड ने भी अपने गेंदबाजों की बदौलत यह लक्ष्य पाकिस्तान के लिए चुनौतीपूर्ण बना दिया जिसने 18.5 ओवर में सात विकेट पर 111 रन बनाकर जीत दर्ज की।

आजम (34 गेंद में दो चौके) अंत तक क्रीज पर रहे जबकि शाहीन शाह अफरीदी ने पांच गेंद में दो छक्के से नाबाद 13 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। दोनों टीमें पहले ही सुपर आठ की दौड़ से बाहर हो गयी थीं जिससे यह ग्रुप मैच केवल औपचारिकता भरा था। आयरलैंड की टीम ग्रुप में एक भी जीत हासिल नहीं कर सकी। आयरलैंड के लिए बैरी मैकार्थी ने चार ओवर में एक मेडन से 15 रन देकर तीन विकेट झटके। कर्टिस कैम्फर ने दो जबकि मार्क एडेयर और बेन वाइट ने एक विकेट हासिल किया। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (17) और सैम अयूब (17) पावरप्ले में आउट हो गये।

कप्तान बाबर एक छोर पर डटे रहे जबकि दूसरे छोर पर फखर जमां (05), उस्मान खान (02), शादाब खान (शून्य) आकर चलते बने। अब्बास अफरीदी ने बाबर का अच्छा साथ निभाया और 21 गेंद में 17 रन बनाकर आउट हुए। फिर शाहीन शाह अफरीदी ने आते ही अपनी तीसरी गेंद खेलते हुए छक्का जड़ दिया। फिर दूसरा छक्का लगाकर टीम को जीत दिलायी। इससे पहले सीम और स्विंग के शानदार प्रदर्शन में शाहीन शाह अफरीदी (चार ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट), मोहम्मद आमिर (11 रन देकर दो विकेट) और हारिस राऊफ (17 रन देकर एक विकेट) की तिकड़ी ने परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाकर आयरलैंड के पावरप्ले में 32 रन पर छह विकेट झटक लिये थे।

बायें हाथ के स्पिनर इमाद वसीम ने फिर चार ओवर में आठ रन देकर तीन विकेट झटके। आयरलैंड के लिए गेरेथ डेलानी 31 रन बनाकर शीर्ष स्कोर रहे जिन्होंने 19 गेंद की पारी के दौरान तीन छक्के और एक चौका जड़ा। मार्क एडेयर (15) और जॉर्ज डॉकरेल (11) दोहरे अंक का स्कोर बनाने वाले अन्य खिलाड़ी रहे। दसवें नंबर के खिलाड़ी जोश लिटिल ने आयरलैंड को 100 रन के पार कराया और 22 रन बनाकर नाबाद रहे। आयरलैंड की शुरूआत काफी खराब रही, दूसरे ओवर में टीम का स्कोर चार रन पर तीन विकेट था। शाहीन शाह अफरीदी ने पहली तीन गेंद में एंड्रयू बालबिर्नी (शून्य) और लोकरान टकर (02) के विकेट झटक लिये। आमिर ने फिर आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टरलिंग (01) का विकेट झटका। हैरी टैक्टर अगली गेंद पर शाहीन शाह अफरीदी का शिकार हुए जिससे तीन ओवर में 15 रन के स्कोर पर चौथा विकेट गिरा।

पावो नूरमी खेलों से ओलंपिक की तैयारियों की शुरुआत करेंगे नीरज चोपड़ा

तुर्कू। मामूली चोट से उबरने के लिए कुछ समय तक आराम करने वाले ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा मंगलवार को यहां पावो नूरमी खेलों में भाग लेकर पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेंगे। चोपड़ा इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को जर्मनी के किशोर एथलीट मैक्स डेहनिंग की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है जो 90 मीटर तक भाला फेंकने वाले खिलाड़ियों की सूची में सबसे युवा खिलाड़ी हैं। इस 19 वर्षीय खिलाड़ी को ओलंपिक में चोपड़ा के लिए कड़ा प्रतिस्पर्धी माना जा रहा है। उनके अलावा इस एक दिवसीय प्रतियोगिता में स्थानीय खिलाड़ी ओलिवर हेलैंडर भी अपनी चुनौती पेश करेंगे जिन्होंने यहां 2022 में चोपड़ा को पीछे छोड़कर स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय खिलाड़ी ने 2022 में 89.30 मीटर भाला फेंक कर रजत पदक जीता था। यह उनका तब व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी था। उन्होंने उसी वर्ष डायमंड लीग के स्टोकहोम चरण में 89.94 मीटर भाला फेंक कर इसमें सुधार किया था। ग्रेनेडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के 2012 ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। चोपड़ा जांघ की मांसपेशियों में हल्के दर्द के कारण पिछले महीने ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक प्रतियोगिता से हट गए थे। दोहा डायमंड लीग से अपने सत्र की शुरुआत करने वाले चोपड़ा पावो नूरमी खेलों के बाद सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भाग लेंगे।

पांड्या और पंत का प्रदर्शन भारत के लिए सबसे सकारात्मक पहलू : हरभजन सिंह

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। नई दिल्ली =टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण में भारत के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि हार्दिक पांड्या का उम्मीद से बेहतर गेंदबाजी प्रदर्शन और ऋषभ पंत का तीसरे नंबर पर बल्ले से उपयोगी योगदान टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक चीजों में शामिल हैं। भारत ने आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका को हराकर सुपर आठ में अपनी जगह पक्की की। कनाडा के खिलाफ टीम का आखिरी मैच गीली आउटफील्ड के कारण रद्द हो गया था।

हरभजन ने कहा, 'टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह है कि हार्दिक पांड्या विकेट चटका रहे हैं। अगर आप उनके विकेटों की संख्या पर नजर डालें तो उन्होंने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है।' विश्व कप से पहले इंडियन प्रीमियर लीग में पांड्या का प्रदर्शन खराब था लेकिन उन्होंने अमेरिका में ग्रुप चरण के तीन मैचों में सात विकेट लेकर अच्छी वापसी की।

पंत दिसंबर 2022 में एक भयानक कार दुर्घटना में गंभीर रूप से चोटिल हो गए थे। उन्होंने लंबे इलाज और रिहैबिलिटेशन के बाद इस साल आईपीएल से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। टी20 विश्व कप में उन्होंने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए मुश्किल पिच पर 124.67 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

हरभजन ने कहा, 'पांड्या के अलावा ऋषभ पंत ने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी से प्रभावित किया। उनकी भूमिका पूरी तरह से बदल गयी। विश्व कप से पहले हम संजू सैमसन को टीम में शामिल करने के लिए कह रहे थे क्योंकि उन्होंने काफी रन बनाये थे।' हरभजन ने कहा, 'पंत को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कराना बड़ी सकारात्मक बात है। जब वह तीसरे नंबर पर खेलते है तो दायें और बायें हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बनता है।' भारत सुपर आठ में अपने अभियान की शुरुआत 20 जून को बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा। हरभजन ने कहा कि टीम के पास नयी परिस्थितियों की चुनौती का सामना करने की क्षमता है। उन्होंने कहा, 'टीम के साथ बहुत सारी सकारात्मक चीजें हैं। बेशक, चुनौतियां और कठिनाई है। लेकिन चुनौतियां उनके सामने आती हैं जो बेखौफ होते हैं। यह निडर खिलाड़ियों की टीम है।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने अच्छा संघर्ष किया (न्यूयॉर्क में मुश्किल पिच पर) और बहुत अच्छा खेले। इस वजह से वे ग्रुप में शीर्ष पर रहे।'

अडाणी की कंपनी के साथ हुई ग्रीन हाइड्रो प्लांट के लिए डील

नई दिल्ली।

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी इस समय भूटान के दौरे पर हैं। आज यानी 17 जून को अदाणी ने बताया कि उन्होंने भूटान के प्रधान मंत्री शेरिंग टोबगे से मुलाकात की और चुखा प्रांत में 570 मेगावाट जलविद्युत प्लांट के लिए भूटान के ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। अदाणी ने इस दौरान किंग जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के विजन के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए भूटान के प्रयासों की सराहना की और कहा कि वे भूटान में हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट लगाने और अन्य प्रोजेक्ट्स पर मिल रहे सहयोग से काफी उत्सुक हैं। गौतम अदाणी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भूटान के महामहिम किंग खेसर नमगेल वांगचुक से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। भूटान के लिए उनके विजन, बड़े कंप्यूटिंग सेंटर्स और डेटा फैसिलिटीज सहित गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी के लिए महत्वाकांक्षी पर्यावरण अनुकूल मास्टरप्लान से प्रेरित हूं। इन परिवर्तनकारी पहलों के साथ-साथ कार्बन निगेटिव राष्ट्र के लिए ग्रीन एनर्जी मैनेजमेंट पर सहयोग करने के लिए उत्साहित हूं! आज यानी 17 जून के बकरीद के चलते शेयर बाजार बंद हैं। अंतिम कारोबारी दिन के मुताबिक, शुक्रवार को

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के शेयर 0।41 प्रतिशत की उछाल के साथ 1,805 रुपये पर बंद हुए थे। अदाणी ग्रीन के शेयरों ने एक साल में निवेशकों को करीब 89 फीसदी का रिटर्न दिया है।

देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। आपको बता दे कि देश के महानगरों में राजधानी दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में सोमवार को पेट्रोल और डीजल के कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जबकि देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है तो वहीं कुछ राज्यों में इसकी कीमतें बढ़ गई हैं। राज्य स्तर पर झारखंड, मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पश्चिम बंगाल में सोमवार को पेट्रोल-डीजल के भाव कम हो गए हैं।

जबकि हिमाचल, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब और राजस्थान में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ गई हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल

90.76 रुपये प्रति लीटर और मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर है।

म्यूचुअल फंड से अप्रैल-मई में जुड़े 81 लाख नए निवेशक

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री ने चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों अप्रैल-मई में 81 लाख से ज्यादा निवेशकों के खाते जोड़े हैं। स्टॉक ट्रेडिंग मंच के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इसके अलावा फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) के बारे में बदलती धारणाएं और आय के स्तर में वृद्धि और वित्तीय बाजार तक पहुंच ने भी नए निवेशकों की संख्या वृद्धि में योगदान दिया है। फिक्स्ड डिपॉजिट योजनाएं अब म्यूचुअल फंड की तुलना में प्रतिस्पर्धी रिटर्न नहीं देती हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही म्यूचुअल फंड के लिए संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं, जिसे शेयर बाजार में चल रही तेजी, ठोस रिस्क मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज, निरंतर इन्वेस्टर एजुकेशन और लगातार मार्केटिंग प्रयासों से समर्थन मिल रहा है। विशेषज्ञों ने कहा कि इसके अलावा इंडस्ट्री में अच्छी वृद्धि जारी रहेगी क्योंकि बचतकर्ता अपने लांग-टर्म गोल्स के लिए वैकल्पिक रास्ते तलाश रहे हैं। पीजीआईएम इंडिया म्यूचुअल फंड के एक अधिकारी ने कहा कि जैसे-जैसे भारत की प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी, निवेशक ऐसे एसेट क्लासेज में पैसा

बचाना चाहेंगे, जिनमें मंहगाई को मात देने और वेल्थ क्रिएशन की क्षमता है। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ेगी, यह इंडस्ट्री स्तर पर हायर फोलियो बेस में तब्दील हो जाएगा।

अमूल ने महिला से आइसक्रीम का टब वापस करने अनुरोध किया

नई दिल्ली ।

आइसक्रीम में कनखजूरा मिलने की शिकायत के बाद अमूल ने नोएडा में महिला ग्राहक से आइसक्रीम का टब वापस करने का सोमवार को अनुरोध किया ताकि उसकी जांच की जा सके। कंपनी ने साथ ही कहा कि वह भारत और वैश्विक बाजारों में बेहतर गुणवत्ता वाले दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि नोएडा में एक महिला ने दावा किया है कि उसने एक इंस्टेंट डिलीवरी ऐप के जरिए आइसक्रीम मंगवाई थी, जिसके अंदर उसे एक कनखजूरा मिला है। अमूल ब्रांड के तहत दुग्ध उत्पादों का विपणन करने वाले गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ) ने नोएडा में महिला ग्राहक को हुई असुविधा पर खेद व्यक्त किया। नोएडा के खाद्य सुरक्षा विभाग ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। अमूल ने एक बयान में कहा कि उसने सोशल मीडिया पर मिली शिकायत पर तुरंत गौर किया। इस घटना के कारण उन्हें हुई असुविधा के लिए हमें बेहद खेद है। अमूल ने कहा कि उसके दल ने ग्राहक से संपर्क किया और उसी दिन रात साढ़े नौ बजे के बाद उससे मुलाकात की। बयान के अनुसार ग्राहक के साथ हमारी बैठक के दौरान हमने ग्राहक से जांच के लिए उक्त आइसक्रीम टब उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था, दुर्भाग्य से ग्राहक ने इसे सौंपने से इनकार कर दिया। जब तक ग्राहक से शिकायत वाला उत्पाद वापस नहीं मिल जाता तब तक हमारे लिए मामले की जांच करना मुश्किल होगा और इसलिए इस मुद्दे पर हम कोई टिप्पणी नहीं कर पाएंगे।

टाटा पंच ईवी और नेक्सॉन ईवी की अच्छी डिमांड

- टाटा की दो इलेक्ट्रिक कार के दीवाने हुए लोग

नई दिल्ली ।

वाहन निर्माता स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के कुछ आकर्षक आंकड़े सामने आए हैं। टाटा पंच ईवी और नेक्सॉन ईवी की अपने सेगमेंट में अच्छी डिमांड देखी जा रही है। टाटा पंच ईवी को लॉन्च हुए केवल 5 महीने हुए हैं और इसी के भीतर इस इलेक्ट्रिक कार ने 10,000 यूनिट की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है, जबकि नेक्सॉन ईवी ने 2020 में लॉन्च होने के बाद से 68,000 से अधिक बिक्री का आंकड़ा हासिल किया है। कुल मिलाकर दोनों कारों की 78,000 यूनिट्स बिक चुकी हैं। फीचर्स की बात करें तो, नेक्सॉन ईवी वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कारप्ले के साथ 12.3 इंच का टचस्क्रीन सिस्टम, 10.25 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, 9-स्पीकर जेबीएल सिस्टम, रियर वेंट के साथ स्वचालित एसी, वायरलेस फोन चार्जर और सनरूफ जैसे फीचर्स के साथ आती है। इसमें सामने वेन्टीलेटेड सीटें भी मिलती हैं। वहीं पंच ईवी की बात करें तो, इसमें डुअल-स्क्रीन सेटअप, एयर प्योरिफायर, 6-स्पीकर, क्रूज कंट्रोल, एम्बिएंट लाइटिंग और सनरूफ जैसे फीचर्स मिलते हैं। सुरक्षा के लिहाज से, दोनों एसयूवी में छह एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा, ऑल-व्हील डिस्क ब्रेक और ऑटो होल्ड के साथ एक इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक मिलता है। इसमें ब्लाइंड स्पॉट व्यू मॉनिटर, हिल होल्ड कंट्रोल और हिल डिसेंट कंट्रोल भी शामिल है।नेक्सान ईवी में फ्रंट पार्किंग सेंसर भी मिलता है। हाल ही में, नेक्सॉन ईवी और पंच ईवी दोनों का भारत एनसीएपी ने क्रैश टेस्ट किया है जिसमें दोनों एसयूवी को 5-स्टार रेटिंग मिली है। दोनों एसयूवी में इको, सिटी और स्पोर्ट मोड जैसे मल्टी-ड्राइव मोड भी मिलते हैं। इनमें मल्टी-मोड रीजेनरेटिव ब्रेकिंग के 4 लेवल भी मिलते हैं।टाटा पंच ईवी की कीमत 10.99 लाख रुपये से 15.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच है, और यह सिट्रोएन ईसी3 से टक्कर लेती है, जबकि यह टाटा टियागो ईवी और एमजी कॉमेट ईवी का एक प्रीमियम विकल्प भी है।

दूसरी ओर, टाटा नेक्सान ईवी की कीमत 14.49 लाख रुपये से 19.49 लाख रुपये के बीच है और यह एमजी झेडएस ईवी और हयूदै कोना इलेक्ट्रिक के किफायती विकल्प के रूप में काम करते हुए सीधे तौर पर महिंद्रा एक्सयूवी 400 ईवी को टक्कर देती है। बता दें कि अगर इलेक्ट्रिक वाहनों की बात की जाए टाटा मोटर्स इस सेगमेंट में मार्केट लीडर है। मौजूदा समय में कंपनी भारतीय बाजार में चार इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री कर रही है।

कंपनी की इलेक्ट्रिक व्हीकल लाइनअप में हैचबैक और कॉम्पैक्ट सेडान से लेकर कॉम्पैक्ट एसयूवी तक शामिल है। इस वजह से टाटा मोटर्स को कम्पटीशन के मुकाबले एडवांटेज मिलती है।

साल 2030 तक 2 लाख करोड़ निवेश करेंगी दिग्गज वाहन कंपनियां

नई दिल्ली ।

देश के अग्रणी यात्री वाहन निर्माताओं ने अगले कुछ साल में 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश का खाका तैयार किया है। वाहन दिग्गजों जैसे टाटा मोटर्स, महिंद्रा ऐंड महिंद्रा, मारुति सुजूकी इंडिया, ह्युंडै मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, निसान मोटर कॉरपोरेशन और रेनो एसए ने उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी, वाहनों के विकास पर बड़े निवेश के अलावा और स्वच्छ व पर्यावरण अनुकूल तकनीक को लेकर प्रतिबद्धता जताई है। पिछले हफ्ते इलेक्ट्रिक वाहन में भारत की अग्रणी टाटा मोटर्स ने कहा था कि वह वित्त वर्ष 2030 तक अपनी ईवी इकाई में 16 से 18,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च की योजना बना रही है। कंपनी का इरादा मार्च 2026 तक छह और मॉडल उतारने का है। पिछले तीन साल में टाटा मोटर्स के लिए बिक्री दमदार रहीपिछले तीन साल में टाटा मोटर्स के लिए बिक्री दमदार रही है और यह वित्त वर्ष 2021-22 के 3.72 लाख के मुकाबले वित्त वर्ष 2022-23 में 5.41 लाख और वित्त वर्ष 2023-24 में 5.73 लाख वाहन पर पहुंच गई। भारतीय यात्री वाहन बाजार वित्त वर्ष 30 तक 60 लाख वाहन पर पहुंचने की संभावना है, जो वित्त वर्ष 24 में 43 लाख रहा है। कोरियाई वाहन दिग्गज ह्युंडै मोटर ने अगले 10 साल में 32,000 करोड़ रुपए के निवेश का खाका खींचा है। देसी बाजार में 14.6 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाली कोरियाई कंपनी का स्थान भारत में मारुति के बाद दूसरा है, जिसके पास 41.7 फीसदी हिस्सेदारी है।` सियाम के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। मारुति ने साल 2023 में ऐलान किया था

कि वह पहली ईवी एसयूवी 2023-24 में उतारेगी। हालांकि अब इसे उतारने की तारीख 2024-25 हो गई है। कुल मिलाकर मारुति का इरादा 2029-30 तक भारत में छह ईवी उतारने का है।

ब्रिटेन भारत का चौथा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बना

- पिछले साल मई में ब्रिटेन भारत का छठा सबसे बड़ा निर्यात बाजार था

नई दिल्ली ।

ब्रिटेन मई में चीन को पीछे छोड़कर भारत का चौथा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया। पिछले साल मई में वह भारत का छठा सबसे बड़ा निर्यात बाजार था। वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के मुतो बिक मई में भारत से ब्रिटेन को निर्यात लगभग एक तिहाई बढ़कर 1.37 अरब डॉलर हो गया और चीन का निर्यात 1.33 अरब डॉलर ही रहा। मई में भारत का वस्तु निर्यात 9.13 फीसदी बढ़कर 38 अरब डॉलर हो गया। वैश्विक मांग में उतार-चढ़ाव और अर्थव्यवस्थाओं की रफ्तार कम होने से पिछले कई महीनों तक निर्यात में सुस्ती रही थी मगर मई में अच्छी वृद्धि हुई। अमेरिका को निर्यात में 13 फीसदी इजाफा हुआ और वह भारत का सबसे बड़ा निर्यात साझेदार बना रहा। उसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को निर्यात में 19 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई। नीदरलैंड भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात साझेदार है और मई में वहां के लिए निर्यात 44 फीदी चढ़कर 2.19 अरब डॉलर हो गया। भारत से चीन को निर्यात में पिछले महीने केवल 3 फीसदी इजाफा हुआ। सऊदी अरब को निर्यात में 8.46 फीसदी, सिंगापुर को 4.64 फीसदी, बांग्लादेश को 13.47 फीसदी, जर्मनी को 6.74 फीसदी और फ्रांस को निर्यात में 36.94 फीसदी बढ़ोतरी रही। भारत ने जिन 10 देशों से सबसे ज्यादा आयात करता है, उनमें से केवल 2 देशों से आयात में कमी आई। मई में सऊदी अरब से आयात में 4.11 फीसदी और स्विट्जरलैंड से आयात में 32.33 फीसदी कमी दर्ज की गई। मई में भारत का कुल वस्तु आयात 7.7 फीसदी बढ़कर 61.91 अरब डॉलर हो गया। रूस से होने वाला आयात 18 फीसदी बढ़कर 7.1 अरब डॉलर हो गया, जिसकी बड़ी वजह वहां के तेल पर भारत की निर्भरता है। चीन के बाद भारत सबसे ज्यादा आयात इसी देश से करता है और यह सिलसिला मई में भी जारी रहा। पिछले महीने चीन से आयात 2.81 फीसदी बढ़कर 8.48 अरब डॉलर हो गया। स्विट्जरलैंड से मुख्य तौर पर सोने का आयात होता है। मई में वहां से भारत को आयात करीब एक तिहाई घटकर 1.52 अरब डॉलर रह गया। मई में अमेरिका से आयात 0.4 फीसदी, यूएई से 18 फीसदी, इराक से 58.68 फीसदी), दक्षिण कोरिया से 13 फीसदी और सिंगापुर से आयात 8.78 फीसदी बढ़ा।

एनटीपीसी ग्रीन को शेयर बाजार में लिस्ट कराएगी कंपनी

नई दिल्ली । देश और दुनिया में ग्रीन एनर्जी पर बढ़ते फोकस की वजह से देश की सबसे बड़ी थर्मल पावर कंपनी एनटीपीसी ने ग्रीन एनर्जी के फील्ड में प्रवेश करने का फैसला किया है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी सोलर, हाइड्रोजन और विंड एनर्जी जैसे कामकाज करती है। एनटीपीसी ने अपनी सहयोगी कंपनी के रूप में एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड स्थो पित की है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी शेयर बाजार में लिस्ट होने के बाद भी एनटीपीसी की सहयोगी कंपनी बनी रहेगी। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी कार्बनिक और इनॉर्गेनिक रूट से कई ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट लगाती है। कंपनी साल 2032 तक 60 गीगावॉट ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट लगाना चाहती है। शेयर बाजार के कवि विशेषज्ञों ने एनटीपीसी के शेयरों को 455 रुपए के टारगेट के लिए खरीदने की सलाह दी है। नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन भारत की महारत्न पीएसयू कंपनी है जो साल 2024 में अब तक अच्छी तेजी दिखा रही है। बंबई स्टॉक एक्सचेंज में एनटीपीसी के शेयरों में इस साल 20 फ़ीसदी तक की तेजी आई है। एनटीपीसी के शेयर इस समय 370 रुपए के लेवल से नीचे कामकाज कर रहे हैं लेकिन कई ब्रोकरेज ने एनटीपीसी के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है।

पेटीएम के फिल्म और इवेंट टिकटिंग कारोबार खरीदेगा जोमेटो

नई दिल्ली । पेटीएम अपनी फिल्म और इवेंट टिकटिंग कारोबार को बेचने के लिए फूड डिलिवर कंपनी जोमैटो के साथ बातचीत कर रही है। एक रिपोर्ट में मामले से परिचित सूत्रों के हवाले से बताया कि संकट से जूझ रही फिनटेक कंपनी कमजोर बिक्री के बीच पुनरुद्धार की रणनीति बना रही है। सूत्रों के मुतो बिक पेटीएम, जिसे आधिकारिक तौर पर वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के नाम से जाना जाता है और ऑनलाइन फूड डिलीवरी फर्म जोमैटो के बीच चर्चा एडवांस स्टेज में है। हालांकि इस डील के लिए अन्य दावेदार भी हैं। सूत्रों ने कहा कि बातचीत चल रही है और कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। पेटीएम के एक अे धिकारी ने पिछले महीने अपने पहले बिक्री गिरावट की सूचना दी और गैर-प्रमुख संपत्तियों को कम करने का वादा किया। इसके साथ ही नौकरी में कटौती की चेतावनी भी दी, जो पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) पर नियामक कार्रवाई के परिणामस्वरूप उत्पन्न हुई है, जिससे फिनटेक के व्यापार का अधिकांश हिस्सा प्रभावित हुआ है और इसे ऋणदाताओं के साथ नई साझेदारी बनाने के लिए मजबूर किया है। पेटीएम पीपीबीएल को नियंत्रित नहीं करता है लेकिन इस साल की शुरुआत में केंद्रीय बैंक के कदम से पहले डिजिटल वॉलेट और भुगतान ट्रैफ़िक के लिए उस पर निर्भर था। पेटीएम और जोमैटो ने नियमित व्यावसायिक घंटों के बाहर टिप्पणी के अनुरोधों का जवाब नहीं दिया।

कोयला आयात कम करने कोयला क्षेत्र में होगा सुधार

- मंत्रालय बना रहा कोकिंग कोल उत्पादन बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली ।

देश में कोयला आयात कम करने के लिए सरकार कोयला क्षेत्र में सुधार का तीसरा दौर शुरू करने वाली है। इसका उददेश्य आयात में भारी कमी करना और उद्योगों के लिए कोयले की बेरोक उपलब्धता सुनिश्चित करना है। 1971 में कोयले का राष्ट्रीयकरण होने और वर्ष 2015 में ई-नीलामी प्रक्रिया शुरू होने के बाद इसे सुधारों का तीसरा दौर माना जा रहा है, जिसमें इस्पात जैसे क्षेत्रों का खास ध्यान रखा जाएगा। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए सरकार सबसे पहले नई फॉरवर्ड बिडिंग नीलामी शुरू करेगी, जिसमें देसी कोकिंग कोल की नीलामी दो तरीकों से होगी। मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया` कि पहला तरीका उन इस्पात संयंत्रों के लिए उपयोग होगा जिनमें वॉशरी (कोयला धुलाई संयंत्र) भी है। दूसरा रास्ता उन इस्पात संयंत्रों के लिए होगा, जिनमें वॉशरी ही नहीं है। जो कारखाने अपना कोयला खुद धोएंगे, उन्हें उससे निकले उत्पाद भी बेचने की इजाजत होगी। अधिकारी ने कहा कि इसके लिए कोयला मंत्रालय नीलामी में बोली लगाने वालों से यह पाबंदी हटा देगा कि आखिर में कोयले का उपयोग कहां किया जा रहा है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सात सहायक इकाइयों में एक भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) इस काम के लिए वॉशरी लगाएगी। बीसीसीएल देश में कोकिंग कोल का खनन करने वाली सबसे बड़ी कंपनी है। जेएसडब्ल्यू स्टील के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम उन वॉशरी की नीलामी की बात कर रहे हैं, जिन पर कोकिंग कोयला आता है और नई वॉशरी की लिए लंबे अरसे तक कोकिंग कोयला उपलब्ध कराने की बात कर कर रहे हैं। इस नीलामी से इस्पात क्षेत्र को देश में निकला कोयला मिलता रहेगा और विदेश से आने वालो कोयले पर उसकी निर्भरता कम हो जाएगी।

यूएई से सोना-चांदी का आयात बढ़ा, एफटीए में शुल्क संशोधन की जरूरत-जीटीआरआई

नई दिल्ली । देश का अपने मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) साझेदार संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से सोने और चांदी का आयात 2023-24 में बढ़कर 10.7 अरब डॉलर हो गया है। इस उछाल को कम करने के लिए समझौते के तहत रियायती सीमा शुल्क दरों में संभावित रूप से संशोधन करने की आवश्यकता है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार सोने और चांदी के आयात में यह तीव्र वृद्धि मुख्य रूप से भारत-संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत भारत द्वारा यूएई को दी गई आयात शुल्क रियायतों से संभव हो पाई है। जीटीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार भारत असीमित मात्रा में चांदी के आयात पर सात प्रतिशत शुल्क या सीमा शुल्क रियायतें और 160 मीट्रिक टन सोने पर एक प्रतिशत रियायत देता है। सीईपीए पर फरवरी 2022 में हस्ताक्षर किए गए और मई 2022 में इसे लागू किया गया। इसके अतिरिक्त भारत गिफ्ट सिटी में इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (आईआईबीएक्स) के जरिए निजी कंपनियों को यूएई से आयात करने की अनुमति देकर सोने और चांदी के आयात की सुविधा देता है। पहले केवल अधिकृत एजेंसियां ही ऐसे आयातों को संभाल सकती थीं। रिपोर्ट में कहा गया` कि भारत का यूएई से कुल आयात वित्त वर्ष 2022-23 में 53.2 अरब अमरीकी डॉलर से 9.8 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 2023-24 में 48 अरब अमरीकी डॉलर हो गया, जबकि सोने तथा चांदी का आयात 210 प्रतिशत बढ़कर 3.5 अरब अमरीकी डॉलर से 10.7 अरब अमरीकी डॉलर हो गया। शेष सभी उत्पादों का आयात वित्त वर्ष 2022-23 में 49.7 अरब अमरीकी डॉलर से 25 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 2023-24 में 37.3 अरब अमरीकी डॉलर हो गया।

वेदांता का 10 अरब डॉलर की पूर्व आय हासिल करने का लक्ष्य

नई दिल्ली । खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता समूह की निकट भविष्य में 10 अरब अमेरिकी डॉलर की कर पूर्व आय हासिल करने के लक्ष्य को 50 से अधिक उच्च प्रभाव वाली वृद्धि परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन से बल मिलेगा। इनमें जस्ता, एल्युमीनियम, तेल एवं गैस तथा बिजली कारोबार शामिल हैं। वेदांता समूह द्वारा आयोजित साइट विजिट पर आए 45 से अधिक कोष प्रबंधकों और विश्लेषकों के समक्ष प्रस्तुत की गई पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के अनुसार ये परियोजनाएं पूरी होने के अग्रिम चरण में हैं। इस प्रस्तुति के अनुसार वेदांता समूह इन मौजूदा वृद्धि परियोजनाओं में करीब आठ अरब डॉलर निवेश कर रहा है। कंपनी की इस वर्ष के अंत तक सभी विनियामक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद पांच अतिरिक्त संस्थाओं को बाजार में सूचीबद्ध करने की भी योजना है।

पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त 18 जून को जारी होगी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 जून को 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों के लिए 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करेंगे। तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करने से जुड़ी फाइल पर ही हस्ताक्षर किए थे। पीमए किसान योजना की शुरुआत साल 2019 में हुई थी। 16 किस्े तों में केंद्र सरकार अब तक इस योजना के तहत किसानों को 3.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित कर चुकी है। पीएम किसान की वेबसाइट पर मौजूद बेनिफिशियरी लिस्ट देखकर यह पता चल जाएगा कि आपके खाते में पैसे आएंगे या नहीं। मालूम हो कि सरकार की ओर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हर साल पहली किस्त अप्रैल से जुलाई, दूसरी किस्त अगस्त से नवंबर और तीसरी किस्त दिसंबर से मार्च के बीच ट्रांसफर की जाती है। पीएम किसान योजना संबंधी किसी भी तरह की समस्या पर किसान ईमेल आईडी पीएमे किसान-इक्टएटदरेटजीओवीडॉटइन पर संपर्क कर सकते हैं। पीएम किसान योजना के हेल्पलाइन नंबर- 155261 या 1800115526 या फिर 011-23381092 के जरिए संपर्क कर सकते हैं।

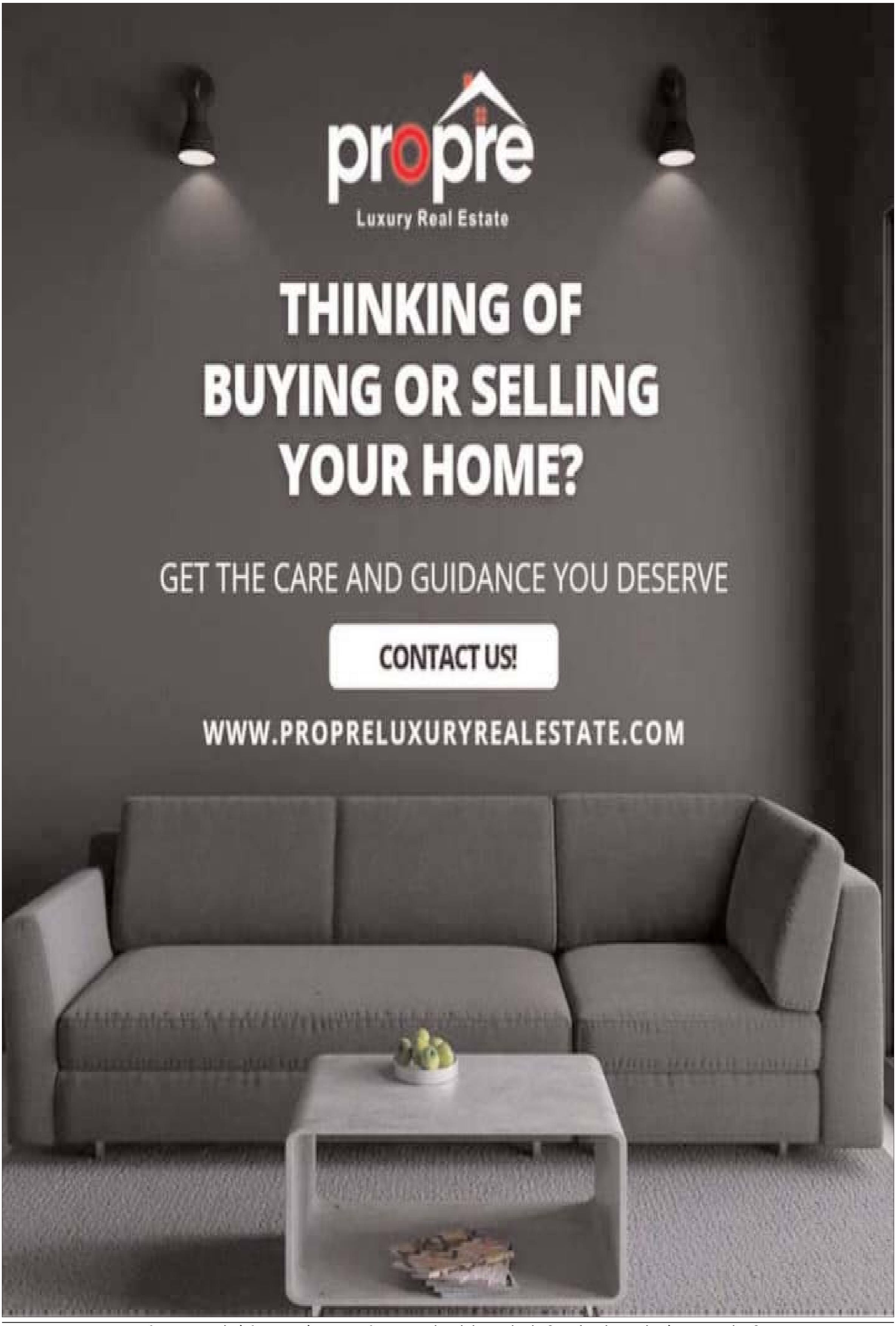

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in